राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 हार के बाद पॉवेल ने दिग्वेश के कैच पर उठाए सवाल

सम्पादकीय बदलता परिदृश्य

10,000 से ज्यादा के ऑनलाइन-पेमेंट पर 1 घंटे का होल्ड 5

वर्ष 20 | अंक 82 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online ग्वालियर, शनिवार 11 अप्रैल 2026 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

गृहमंत्री ने कहा-ममता भतीजे को सीएम बनाना चाहती हैं

पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' किया जारी

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/ गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के देबरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, ममता बनर्जी बंगाल के लोगों की चिंता नहीं करती हैं। उन्हें बस भतीजे अभिषेक बनर्जी को अगला सीएम बनाने में दिलचस्पी है।

भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को 3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में ष्टष्ट लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई। देबरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, पिछले 15 सालों से ममता बनर्जी 'मा, माटी, मानुष' के

नारे के साथ आती रही हैं लेकिन हमारे युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा है और लोगों को तकलीफें उठानी पड़ी हैं। किसानों को भी परेशान होना पड़ा है। भारतीय जनता पार्टी बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना चाहती है, जबकि ममता बनर्जी उन्हें बचाना चाहती हैं। ममता दीदी, आप जो चाहें कर लें, हम हर घुसपैठिये की पहचान करेंगे और उन्हें बंगाल से बाहर निकाल देंगे।

घोषणापत्र जारी करते हुए अमित शाह ने सत्तारूढ़ टीएमसी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में बंगाल की जनता ने जिन उम्मीदों के साथ ममता बनर्जी को सत्ता सौंपी थी, वे अब पूरी तरह टूट चुकी हैं। राज्य के लोग अब डर के साये में हैं और मन से बदलाव चाहते हैं। उन्होंने इस मेनिफेस्टो को 'निराशा से बाहर निकलने' और 'भय से मुक्ति' का रास्ता बताया। शाह ने दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के लिए रोजगार सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। भाजपा ने अपने वादों की फेहरिस्त में भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन और सरकारी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को भी प्रमुखता दी है।

10 पर्यटकों की मौत, वृंदावन में यमुना में नाव डूबी

लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी, मदद के लिए सेना पहुंची

मथुरा। वृंदावन में 30 पर्यटकों से भरी प्राइवेट नाव यमुना नदी में पलट गई। हादसे में 10 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 7 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। मृतकों में पति-पत्नी और पिता-बेटी शामिल हैं। नाव में सवार सभी पर्यटक बांके बिहारी क्लब के सदस्य थे और पंजाब से घूमने आए थे। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया, हादसा दोपहर करीब 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जो श्रीबांके बिहारी मंदिर से ढाई किमी की दूरी पर है। राहत और बचाव कार्य के लिए सेना आ गई है। गाजियाबाद से NDRF की टीम भी वृंदावन आ गई है।

डीआईजी शैलेश पांडेय ने बताया, पर्यटक 2 नावों में सवार थे। एक पलट गई, जिस पर 25 से 27 लोग सवार थे। 10 लोगों की मौत हुई है। 12 घायलों को बाहर निकाल लिया गया है। 3 से 5 लोगों के अभी लापता होने की सूचना है। रेस्क्यू टीम लगातार सर्च कर रही हैं। हादसे के बाद नाविक फरार हो गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि नाव की क्षमता 15 श्रद्धालुओं की थी, लेकिन नाविक ने 25 लोगों को बिठा लिया था। किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। आर्मी इंजीनियरिंग कोर के सूबेदार अखिलेश पांडेय ने बताया- अगर पर्यटकों ने लाइफ जैकेट पहन रखी होती तो बचने के लिए उन्हें समय मिल जाता। लाइफ जैकेट के साथ एक घंटे तक तैर सकते थे। पर्यटक मनोहर लाल ने बताया- तेज हवा चल रही थी। यमुना नदी के बीच में नाव तेज हवा से अचानक डगमगाने लगी। स्पीड भी बढ़ गई। तभी नाव पीपा पुल (पांटून पुल) से टकराकर पलट गई।

बालाघाट जिले में नक्सल उन्मूलन के बाद तेज गति से विकास किया जाए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने ली जनजातीय महोत्सव के संबंध में बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के बालाघाट जिले में नक्सल उन्मूलन के बाद विकास की गति को और तेज किया जाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा दिए गए निर्देश एवं प्रचार की गई कार्य योजना के फलस्वरूप प्रदेश से नक्सल तत्वों पर पूर्ण नियंत्रण में सफलता मिली है। नक्सलवाद की समस्या से बरसों प्रभावित रहे बालाघाट जिले सहित अन्य प्रभावित स्थानों पर अब तीव्र गति से कार्य करने की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश सरकार विकास कार्यों की गति तेज करने को प्राथमिकता दे रही है। जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को भी विभिन्न महोत्सवों से मंच देने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को समत्व भवन में आगामी माह बालाघाट में होने वाले जनजातीय महोत्सव के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव आदि बैठक में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय महोत्सव में सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के साथ ही विभिन्न विभाग स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शिविर आयोजित करें। धरती आबा अभियान में हितग्राहियों को लाभान्वित करने और स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्षेत्र में मेगा स्वास्थ्य शिविर और सिकल सेल स्क्रीनिंग का कार्य किया जाए। शिक्षा सुविधाओं के विस्तार, महिलाओं और बच्चों के कल्याण, रोजगार प्रदान करने, दिव्यांग नागरिकों को हित लाभ प्रदान करने और पूर्व वर्षों में नक्सल गतिविधियों के कारण प्रभावित हुए परिवारों की आवश्यक सहायता के लिए कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक बगिया मां के नाम' कार्यक्रम अंतर्गत गतिविधियों के आयोजन, आराधना स्थलों पर सुविधाओं के विकास के कार्य भी किए जाएं। जनजातीय संस्कृति विशेषकर बैगा

समुदाय से जुड़े लोक नृत्यों, खेतों में बोवनी के कार्य से पूर्व आयोजित किए जाने वाले बिदरी, बीज पंडूम और बड़ा देव पूजा के कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। महोत्सव में जनजातीय संस्कृति को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बोरा दौड़, मटका रेस, तीरंदाजी स्पर्धाएं भी होंगी। बैगा महिलाओं की विशिष्ट गोदाना कला के प्रदर्शन और कार्यशाला के साथ कोदो कुटकी और महुआ आदि से बने पारम्परिक व्यंजनों के फूड स्टॉल भी लगाए जाएंगे। पारम्परिक जड़ी-बूटियों की जानकारों और औषधीय ज्ञान रखने वालों का सम्मेलन भी प्रस्तावित है। स्व-सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा निर्मित उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। बालाघाट के साथ ही निकटवर्ती जिलों और छत्तीसगढ़ से भी जनजातीय समाज इस महोत्सव में भागीदारी करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय महोत्सव में होने जाने वाली गतिविधियों और विभागों की सहभागिता की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि जनजातीय महोत्सव में स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा, वन, महिला एवं बाल विकास, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, नवीन और नवकरणीय ऊर्जा, कौशल विकास एवं रोजगार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम, सहकारिता, संस्कृति, पर्यटन, खनिज साधन, गृह और जनसम्पर्क विभाग द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जाएगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोजपाल सिंह यादव केन्द्रीय मंत्री सिंधिया से मिले

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
नईदिल्ली। केन्द्रीय संचार मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया से संचार भवन नईदिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोजपाल सिंह यादव ने आत्मीय मुलाकात की। महाराज का अनंत स्नेहपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मनोजपाल सिंह यादव के साथ राजनैतिक बिंदुओं पर चर्चा की तथा क्षेत्र की समस्याओं पर भी गहन विचार विमर्श किया गया।

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

घर में 500 के नोटों के बंडल जले मिले थे, सुप्रीम कोर्ट की जांच में दोषी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है। 14 मार्च 2025 को उनके दिल्ली स्थित सरकारी घर में आग लगने के दौरान 500-500 के नोटों के बंडल जले मिले थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था।

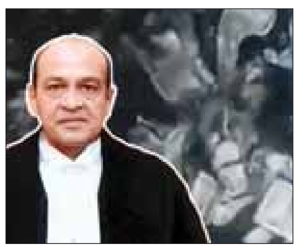

उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। मामले की जांच पूरी होने तक उन्हें न्यायिक कामों से दूर रखा गया था। जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को इस्तीफा भेजा था, लेकिन न्यूज एजेंसी ने अगले दिन, यानी 10 अप्रैल को इसकी जानकारी दी। जस्टिस वर्मा ने इस्तीफे में लिखा है- मैं आपके सम्मानित कार्यालय को उन कारणों से परेशान नहीं करना चाहता, जिनकी वजह से मुझे यह पत्र लिखना पड़ रहा है। लेकिन गहरे दुख के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ संजीव खन्ना ने 22 मार्च को जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसने 4 मई को CJI को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया था। लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। उन्होंने इसे चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा था कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने जांच समिति बना दी, जो गलत है।

भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा का अनावरण आज सागर में

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सहित अनेक विशिष्टजन पहुंचेंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
सागर। भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा का अनावरण 11 अप्रैल को दोपहर बारह बजे सागर के अटल पार्क परिसर में होने जा रहा है। सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट चिंतक व राजनेता रघु ठाकुर की पहल से नगरपालिका निगम ने कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा स्थापना के लिए अटल पार्क में स्थान सुरक्षित किया है। प्रतिमा का अनावरण मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष व प्रसिद्ध पत्रकार रामबहादुर राय, भारत सरकार के जलशक्ति मंत्री राजभूषण चौधरी, मध्यप्रदेश शासन के मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन, प्रदीप लारिया, महापौर संगीता तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृन्दावन अहिरवार की उपस्थिति में होगा। समारोह की अध्यक्षता रघु ठाकुर करेंगे। दो वर्ष पहले ही भारत सरकार ने अपने सर्वोच्च सम्मान भारतरत्न से कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत सम्मानित किया था।

उल्लेखनीय है कि कर्पूरी ठाकुर दो बार बिहार के मुख्यमंत्री, लोकसभा व बिहार विधानसभा के सदस्य रहे। पहले आमचुनाव से फरवरी 1988 तक निरंतर वे किसी न किसी सदन में गरीबों की आवाज को मुखरता से उठाते रहे। उनकी गणना भारत के उन सोशलिस्ट नायकों में होती है जिन्होंने समाजवाद को जमीन पर उतारा। रघु ठाकुर उनके घनिष्ठ साथी रहे और उनके निमंत्रण पर कर्पूरी ठाकुर सागर सहित देशभर में अलग अलग स्थानों पर गये। जिस दिन उनका निधन हुआ उस दिन भी रघु ठाकुर के आमंत्रण पर छत्तीसगढ़ में अकलतरा के एक शिविर में उन्हें पहुंचना था। सागर में कर्पूरी ठाकुर की जो प्रतिमा लग रही है वह समूचे मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ में इकलौती है।

गगनयान मिशन का दूसरा क्रू मॉड्यूल टेस्ट सफल

श्रीहरिकोटा। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारी में बड़ी कामयाबी मिली है। इसरो ने गुरुवार को दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया। यह टेस्ट गगनयान मिशन के लिए तैयार किए गए पैराशूट सिस्टम की असली परिस्थितियों की जांच करने के लिए किया गया। इसका मकसद गगनयान मिशन से पहले पैराशूट खुलने के प्रोसेस को चेक करना था। ये प्रोसेस मिशन के समय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी तय करेगी।

टेस्ट के दौरान लगभग 5.7 टन वजनी डमी क्रू कैप्सूल को वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी की ऊंचाई से छोड़ा गया। कैप्सूल ने समुद्र में सेफ लैंडिंग की। पिछले 8 महीनों में क्रू कैप्सूल का यह दूसरा एयर ड्रॉप टेस्ट है। पहला टेस्ट 24 अगस्त 2025 को किया गया था। गगनयान इसरो का ह्यूमन स्पेस मिशन है। इसके तहत 2027 में स्पेसक्राफ्ट से वायुसेना के तीन पायलट्स को स्पेस में भेजा जाएगा। ये पायलट 400 किमी के ऑर्बिट पर 3 दिन रहेंगे, जिसके बाद हिंद महासागर में स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कराई जाएगी। मिशन की लागत करीब 20,193 करोड़ रुपए है।

पं. जितेन्द्र भारद्वाज ने सुनाई भगवान श्रीकृष्ण व विप्र सुदामा की मित्रता की कथा

सुदामा चरित्र व परीक्षत मोक्ष की कथा के साथ हुआ श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का समापन

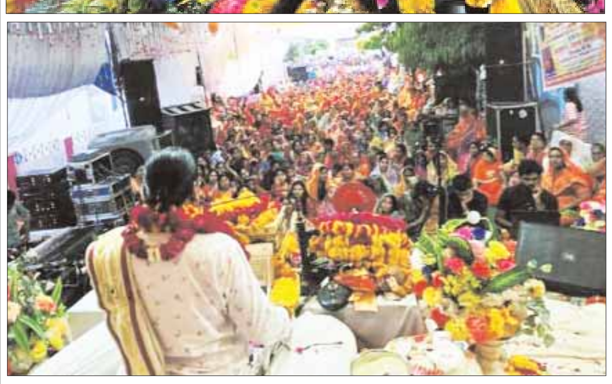

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुक्रवार को सुदामा चरित्र व परीक्षत मोक्ष की कथा के साथ समापन हो गया। यहां पर कथा का वाचन कथाव्यास पं. जितेन्द्र भारद्वाज द्वारा किया गया। कथा के परीक्षत केशवलाल शिवहरे-श्रीमती मुन्नी देवी थीं। शुक्रवार को कथा के दौरान दैनिक हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे ने कथा स्थल पर पहुंचकर आरती की तथा कथा का श्रवण किया।

कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए पं. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि भगवान अपने भक्तों के कष्ट दूर करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं। बस जरूरत इस बात की है कि भक्त ईश्वर की शरण में जाए। पं. भारद्वाज ने सुदामा चरित्र की कथा सुनाते हुए कहा कि सुदामा जी व भगवान श्रीकृष्ण अनन्य मित्र थे। वे संदीपनी जी के आश्रम में साथ-साथ पढ़े हुए थे। एक दिन आश्रम में सुदामा जी भगवान के चना खा जाते हैं। यहीं से उनके जीवन में अभिशप्तता प्रारंभ हो जाती है। भगवान द्वारिका आ जाते हैं। सुदामा जी अपनी नगरी में गुरबत के दिन काट रहे हैं। एक दिन सुदामा जी की धर्मपत्नी उन्हें द्वारिका जाने के लिए बड़ी मुश्किल से तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि भगवान की शरण में जाने के लिए जीवात्मा बड़ी मुश्किल से तैयार होता है, लेकिन जब तैयार हो जाता है तो उसे ईश्वर की प्राप्ति हो जाती है। सुदामा जी इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। सुदामा जी अनेक तरह की परेशानियों को झेलते हुए द्वारिका पहुंच जाते हैं और द्वारपाल को अपना पूरा परिचय देते हैं। जब द्वारपाल महल में जाकर भगवान श्रीकृष्ण को बताता है कि एक गरीब ब्राह्मण अपने आपको आपका मित्र बता रहा है अपना नाम सुदामा बताता है। इतना सुनते ही भगवान श्रीकृष्ण नंगे पैर अपने सिंहासन को छोड़कर महल के द्वार की ओर दौड़कर आते हैं। पं. भारद्वाज ने कहा कि यदि भक्त ईश्वर प्राप्ति की दिशा में कुछ कदम बढ़ाता है तो भगवान उसकी ओर दौड़कर आते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान सुदामा जी को महल में ले जाकर अपने हाथों से उनके पैर धोते हैं। यहां पर भगवान के नेत्रों से अविरल अश्रु धारा बह रही होती है। यह ईश्वर और भक्त के प्रेम की पराकाष्ठा है। जहां ईश्वर खुद अपने भक्त के पैर धो रहे हैं। बाद में भगवान श्रीकृष्ण भाभी द्वारा प्रदत्त तीन मुट्ठी चावल खाते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से सुदामा जी को तीनों लोकों का ऐश्वर्य प्रदान कर देते हैं। इसके साथ ही पं. भारद्वाज ने परीक्षत मोक्ष की कथा सुनाई। इस कथा के साथ श्रीमद् भागवत कथा को विराम मिला। कथा में सभी भक्तों द्वारा पूर्ण सहयोग किए जाने पर आयोजक परिवार के अशोक शिवहरे-श्रीमती आशा, पप्पू शिवहरे-श्रीमती कविता, दिनेश शिवहरे-श्रीमती ममता, रामजीलाल शिवहरे-श्रीमती सुनीता, रोशन शिवहरे-श्रीमती शालिनी, कमलकिशोर शिवहरे-श्रीमती स्वाति, हेमन्त शिवहरे-श्रीमती प्रीति, शिवकुमार शिवहरे-श्रीमती रिया, कृष्णकान्त शिवहरे-श्रीमती कामिनी, चेतन शिवहरे, नीरज शिवहरे, रोहित शिवहरे, नमन शिवहरे, कार्तिक शिवहरे, पियूष शिवहरे, विनायक शिवहरे ने सभी भक्तों का हृदय आभार व्यक्त किया।

डॉ. अनुपम चौकसे: शिक्षा, सेवा और राष्ट्र निर्माण के अनन्य साधक

व्यक्तित्व विशेष में LNCT ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर विशेष

डॉ. अनुपम चौकसे भारतीय शिक्षा जगत के उन विशिष्ट, दूरदर्शी एवं प्रेरणास्पद व्यक्तित्वों में से एक हैं, जिन्होंने अपने सशक्त नेतृत्व, अनुशासन, विनम्रता और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण के माध्यम से मध्य भारत के शैक्षिक परिदृश्य को एक नई ऊँचाई प्रदान की है। LNCT Group के Secretary, JNCT Professional University के चांसलर के रूप में उनकी भूमिका केवल प्रशासनिक दायित्वों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने शिक्षा को एक जीवंत, गतिशील और भविष्य-उन्मुख प्रक्रिया के रूप में स्थापित किया है। उनका मूल दर्शन इस गहरी समझ पर आधारित है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन या डिग्री प्राप्ति नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों का विकास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना है। इसी सोच के अनुरूप उन्होंने अपने संस्थानों में skill-based education, e&periential learning, research orientation तथा innovation-driven ecosystem को प्रोत्साहित किया, जिससे विद्यार्थी न केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित रहें, बल्कि उसे वास्तविक जीवन की चुनौतियों में प्रभावी रूप से लागू करने में सक्षम बनें। उनकी 'Student First' नीति इस बात का प्रमाण है कि वे शिक्षा को केंद्र में विद्यार्थी के विकास के दृष्टिकोण से देखते हैं, जहाँ प्रत्येक छात्र को अवसर, मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान की जाती है। उनके नेतृत्व में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड प्रोग्राम्स तथा स्टार्टअप और

उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाली पहलें इस प्रकार विकसित की गई हैं कि वे विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर सकें; साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि तकनीकी प्रगति के साथ मानवीय संवेदनाएँ और नैतिक मूल्य भी समान रूप से विकसित हों, जो किसी भी शिक्षण प्रणाली की वास्तविक सफलता का आधार होते हैं। वर्ष 2025 में Center for Education Growth and Research (CEGR) के National President के रूप में उनका चयन उनके व्यापक प्रभाव, दूरदृष्टि और नीति-निर्माण में सक्रिय सहभागिता का सशक्त प्रमाण है, जहाँ वे नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षण प्रणालियों के प्रबल समर्थक के रूप में उभरे हैं। उनके विचार में भविष्य की शिक्षा बहुआयामी होगी, जो केवल कक्षा-कक्ष तक सीमित न रहकर उद्योग, अनुसंधान और सामाजिक आवश्यकताओं के साथ गहरे स्तर पर जुड़ी होगी, और इसी दिशा में उन्होंने industry-academia collaboration को सुदृढ़ करने के लिए अनेक प्रभावी पहलें की हैं। सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है, जहाँ वे छात्रवृत्ति योजनाओं, ग्रामीण शिक्षा के विस्तार, वंचित वर्गों के सशक्तिकरण तथा सामाजिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से यह सुनिश्चित करते हैं कि शिक्षा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उनका व्यक्तित्व उनके पारिवारिक संस्कारों, सरलता, संयम और सेवा भावना का सशक्त प्रतिबिंब है, जो उन्हें केवल एक सफल प्रशासक ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और प्रेरणादायी मानव भी बनाता है। वे इस सिद्धांत में विश्वास रखते हैं कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो दूसरों को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करे, और यही कारण है कि उनके मार्गदर्शन में हजारों विद्यार्थी आज अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। उनका दीर्घकालिक विजन मध्य प्रदेश को एक सशक्त 'Education Hub' के रूप में स्थापित करना तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और प्रभावशाली बनाना है, जिसके लिए वे निरंतर गुणवत्ता, नवाचार और समर्पण के साथ कार्यरत हैं। उनके जन्मदिवस के इस पावन अवसर पर यह कहना अत्यंत उपयुक्त होगा कि डॉ. अनुपम चौकसे केवल संस्थानों का निर्माण नहीं कर रहे, बल्कि वे एक ऐसे सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज की नींव रख रहे हैं, जहाँ शिक्षा के माध्यम से आने वाली पीढ़ियाँ न केवल सफल, बल्कि संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक बन सकें; निःसंदेह उनका जीवन एक प्रेरणा, एक दृष्टि और एक ऐसा उज्ज्वल मार्गदर्शन है, जो शिक्षा, सेवा और राष्ट्र निर्माण के पथ पर सदैव प्रकाशस्तंभ की भाँति आलोकित होता रहेगा।

लेखक/संकलक
डॉ. हृदेश रामेश्वर शिवहरे
शिक्षाविद/वैज्ञानी
भोपाल, म.प्र.

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर का 87वां प्रभु गुणगान उत्सव सम्पन्न

ग्रुप के लगभग 50 सदस्यों ने भगवान महावीर स्वामी का किया अभिषेक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- ग्वालियर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा लगातार आठवें वर्ष आयोजित प्रभु गुणगान का 87वां उत्सव श्री दिगंबर जैन नागौरियान मंदिर, दाना ओली, ग्वालियर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ। उत्सव के दौरान ग्रुप के लगभग 50 से 60 सदस्यों ने प्रभु अभिषेक का पुण्य लाभ प्राप्त किया। दाना ओली स्थित यह प्राचीन मंदिर राजस्थानी स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है, जो अत्यंत मनोहारी एवं अतिशय युक्त प्रतिमाओं से अलंकृत है। यहाँ स्थापित प्राचीन प्रतिमाएं अत्यंत आकर्षक एवं सजीव प्रतीत होती हैं, तथा श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहाँ आने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

कार्यक्रम में प्रथम शांतिधारा अनुपम चौधरी जैन द्वारा एवं द्वितीय शांतिधारा राजीव जैन द्वारा संपन्न की गई। इस अवसर पर अनुपम चौधरी, अंबरीश जैन, रश्मि जैन, आशीष जैन (बैंक अध्यक्ष), अमित भंडारी (सचिव), रुपेश जैन (कोषाध्यक्ष), मनीष जैन, आनंद जैन, सुशील जैन, जितेन्द्र जैन, जयदीप जैन, महिमा चौधरी, अंकिता जैन, प्रियंका जैन, प्रीति जैन, दिनेश जैन, सारिका जैन, अमित रोमी, आशीष (CBI), धर्मेंद्र जैन, भानु जैन, नीरज, राकेश जैन, विजय जैन, अखिलेश, दीपक, मयंक जैन, अरुण जैन, राहुल, राजकुमार जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अमरनाथ यात्रा के पंजीयन 15 अप्रैल से, श्रद्धालुओं के बीच असमंजस की स्थिति

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- ग्वालियर। वर्ष 2026 में होने जा रही अमरनाथ यात्रा के लिए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने अधिकृत डॉक्टरों एवं पंजीयन हेतु बैंकों की सूची जारी कर दी है एवं पंजीयन की तारीखों की घोषणा भी कर दी है लेकिन अभी तक यात्रा शुरू होने की तारीखों की घोषणा नहीं की है जिससे श्रद्धालुओं में असमंजस की स्थिति बनी हुयी है।

बाबा बर्फानी समिति के उपाध्यक्ष राजेश सिकरवार ने बताया कि श्राइन बोर्ड ने ग्वालियर अंचल में सिर्फ दो डॉक्टरों को मेडिकल हेतु एवं पंजीयन हेतु सिर्फ एक शाखा को ही जिम्मेदारी सौंपी है, जिससे श्रद्धालुओं को लगातार परेशानी का सामना करना पड़

रहा है। समिति सचिव गौरव नागवानी एवं भरत ढींगरा ने पीएनबी बैंक नया बाजार शाखा के अधिकारीयों से मुलाकात की एवं पंजीयन व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो उसके लिए चर्चा की। कोषाध्यक्ष पन्नालाल गौड़ के अनुसार अमरनाथ गुफा की ऊँचाई समुद्रतल से लगभग 13500 मी. है , लगातार ख़राब मौसम एवं अधिक ऊँचाई के कारण ऑक्सीजन की कमी रहती है। अमरनाथ यात्रा पर जाने हेतु यात्री को अपना स्वास्थ्य प्रमाण पत्र एवं पंजीयन करवाना अनिवार्य है।

शहर के श्रद्धालुओं को मुरार जाना पड़ रहा है , डॉक्टरों की सँख्या कम होने से लंबी कतारें लग रही हैं , जिससे लोगों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है :- पन्नालाल गौड़ (कोषाध्यक्ष)

अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड की मनमानी के चलते बेहद अव्यवस्थों की सूली चढ़ती जा रही है 7 14 अप्रैल को भी डॉ. अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में पंजीयन एवं मेडिकल नहीं हो सकेंगे :- गौरव नागवानी (समिति सचिव)

जौरा में गूंजे अम्बेडकर के विचारों के संदेश

सांदिपनी स्कूल में एसडीएम की अध्यक्षता में अम्बेडकर जयंती पर पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुरैना/जौरा। सांदिपनी स्कूल जौरा में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर पांच दिवसीय कार्यक्रम का भव्य और गरिमामय शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम जौरा शुभम शर्मा ने की। विद्यालय परिसर में इस अवसर पर उत्साह, उमंग और प्रेरणा का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां हर ओर अम्बेडकर के विचारों की गूंज सुनाई दी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम शुभम शर्मा ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक क्रांतिकारी विचारधारा हैं, जिन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाकर सामाजिक असमानता और अन्याय के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष किया। उन्होंने

विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को आत्मसात करने और जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि पांच दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली, चित्रकला, भाषण और वाद-विवाद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।विद्यालय के प्राचार्य बैजनाथ त्यागी ने अपने उद्बोधन में कहा कि अम्बेडकर का जीवन हमें संघर्ष, संगठन और शिक्षा का मार्ग दिखाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त कर एक समतामूलक, जागरूक और सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।कार्यक्रम में शिक्षा विभाग का विशेष सहयोग रहा। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रभावशाली भाषणों ने पूरे वातावरण को प्रेरणादायक बना दिया।

पूरे विद्यालय परिसर में अम्बेडकर के विचारों की ऊर्जा और सामाजिक जागरूकता का संदेश स्पष्ट रूप से महसूस किया गया।आगामी पांच दिनों तक विभिन्न रचनात्मक और बौद्धिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अम्बेडकर के जीवन-दर्शन से परिचित कराया जाएगा।इस अवसर पर पहाड़गढ़ जनपद सीईओ महेन्द्र बौद्ध, जौरा जनपद सीईओ कुलदीप श्रीवास्तव, बीआरसीसी राजीव सिंह जादौन, संकुल सह समन्वयक कौशल शर्मा, बीएसी जितेन्द्र जादौन, रामसेवक शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आम रास्ते को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुरैना/जौरा। डिंडोखर गांव से गुर्जा गांव के 2 किलोमीटर कच्चे रास्ते पर अवैध रूप से किए गए कब्जे को अतिक्रमणकारियों के कब्जे से मुक्त करने की कार्यवाही की गई। शिकायतकर्ता राय सिंह ने तहसीलदार बालकृष्ण मिश्र को लिखित रूप से यह शिकायत की गई थी कि डिंडोखर की पुलिया से गुर्जा गांव तक जो शासकीय कच्चा रास्ता है उसे गांव के दबंग लोगों ने अवैध रूप से अतिक्रमण कर अपने खेतों में मिल लिया है, जिससे आम रास्ता बंद हो चुका है। सोना गांव के बीच में मंदिर मकान भी बने हुए हैं, जिससे वहां रहने वाले लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है।

तहसीलदार बीके मिश्रा ने तत्काल राजस्व निरीक्षक अजय शंकर शर्मा एवं पटवारी हर्षित दीक्षित और राहुल राठौर, प्रमोद तोमर, प्रभात कसने की टीम गठित कर उक्त रास्ते को खुलवाने के दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए राजस्व निरीक्षक अजय शंकर शर्मा का टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी ट्रैक्टर आदि की सहायता से अतिक्रमणकारियों से आम रास्ते को मुक्त कराकर खुलवाया गया।

शासकीय भूमि के अतिक्रमण को प्रशासन ने हटाया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुरैना/जौरा। लगभग 6000 वर्गफीट शासकीय भूमि पर पिलर खड़े कर किए गए अवैध अतिक्रमण को एसडीम शुभम शर्मा, एसडीओपी नितिन बघेल की मौजूदगी में हटाने की कार्यवाही की गई। पगारा रोड पर स्थित सुभाष स्कूल के बगल में 6000 वर्ग फीट शासकीय भूमि पर पिलर खड़े कर अवैध रूप से अतिक्रमण करने की शिकायत पुजारी बाबा किशन दास द्वारा राजस्व अधिकारियों से की गई थी। जिस पर से अतिक्रमणकर्ता को कई बार लिखित एवं मौखिक रूप से अतिक्रमण को खुद ही हटाने के लिए कहा गया, लेकिन अतिक्रमण करता द्वारा खुद अतिक्रमण नहीं हटने पर 10 अप्रैल को एसडीएम, एसडीओपी की मौजूदगी में अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। इस दौरान पटवारी विजय सिंह सिकरवार, मनोज शुक्ला, मानवेंद्र सिंह सिकरवार, ओमप्रकाश उपाध्याय सहित पुलिस बल, नगर पालिका का मदाखलत दस्ता भी मौजूद रहा।

इनका कहना है- एसडीएम शुभम शर्मा का कहना है कि शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 953 एवं 971 पर दो लोगों द्वारा पिलर खड़ा कर अतिक्रमण करने की शिकायत पुजारी द्वारा की गई थी उसे आज हटा दिया गया है।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन का 16 अप्रैल होने वाला आंदोलन स्थगित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुरैना/जौरा। 16 अप्रैल को प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रदेश व्यापी जो आंदोलन होना था उसे स्थगित कर दिया गया है। 10 अप्रैल को जौरा स्थित गांधी वाचनालय में प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन के प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष एचपी उमरिया द्वारा प्रदेश के वित्त मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री को ज्वलंत समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया था। जिस पर शासन प्रशासन द्वारा बेरुखी दिखाने पर एक वृहद आंदोलन का ऐलान किया

था। भोपाल में उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री से चर्चा उपरांत उक्त आंदोलन को आगामी निर्णय तक स्थगित करने की घोषणा की गई। बैठक में संगठन के प्रांतीय महामंत्री मोहन कुशवाहा के निधन पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर हरिओम पाराशर, श्याम सिंह भदोरिया, आरपी तिवारी, राजकिशोर पाराशर, डीके पाठक, आर.एन. श्रीवास्तव, शमशाद खान, अब्दुल रहमान, सलीम खान पठान, रामचरण लाल शाक्य, टी.आर. शाक्य, मुन्नालाल शाक्य, सुरेंद्र शर्मा, देवी सक्सेना, विनोद कुमार दुबे, सोनेराम शर्मा, रामविलास शर्मा, शिवचरण लाल शर्मा, महेंद्र सिंह सिकरवार, पूरन चंद गोयल, ज्योति श्रीवास्तव, हिमांशु शर्मा, रामेश्वर दयाल शर्मा, मूलचंद शर्मा, राम सिंह त्यागी, रोशनलाल गुप्ता, ओमप्रकाश सहित अन्य लोगों ने भी मोहन सिंह कुशवाहा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीईटी अनिवार्यता से लाखों शिक्षक परिवार संकट में, सरकार समाधान करे: डॉ. नरेश सिंह

टीईटी अनिवार्यता के संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री को भेजा पत्र, छूट देने की मांग

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुरैना। शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता के निर्णय को लेकर मप्र शिक्षक संघ के निवर्तमान संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र भेजकर उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर कर शिक्षकों का पक्ष रखने की मांग की गई है।

पत्र में कहा गया है कि पिछले कई सालों से निष्ठा एवं समर्पण के साथ सेवा दे रहे शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता थोपना अन्यायपूर्ण है। विशेष रूप से वे शिक्षक, जिन्होंने लगभग ढाई से तीन दशक तक शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दिया है, उनसे पुनः परीक्षा देने की अपेक्षा करना उनकी गरिमा और सम्मान के विपरीत है। वरिष्ठ कर्मचारी नेता शिक्षाविद डॉ. सिकरवार ने कहा कि यह निर्णय लाखों शिक्षक परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा कर रहा है और उनके भविष्य को असुरक्षित बना रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियुक्ति के समय लागू नियमों के आधार पर चयनित शिक्षकों पर बाद में नए मानदंड लागू करना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। सरकार इस विषय में संवेदनापूर्वक मानवीय आधार पर सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर कर टीईटी अनिवार्यता से छूट दिलाई जाए, ताकि शिक्षकों के हितों की रक्षा हो सके। डॉ. सिकरवार ने आगे कहा कि टीईटी को सेवा में पहले से कार्यरत शिक्षकों पर लागू करना नीति की असंगति को दर्शाता है। इससे शिक्षकों में असुरक्षा, मानसिक दबाव और कार्यक्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। शिक्षा की गुणवत्ता केवल एक लिखित परीक्षा से नहीं, बल्कि शिक्षक के व्यवहार, अनुभव, विद्यार्थियों के परिणाम और सामाजिक योगदान से निर्धारित होती है। इस प्रकार के निर्णय से शिक्षा व्यवस्था में स्थिरता के बजाय असंतोष और भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है।

डॉ. सिकरवार ने यह भी कहा कि सरकार को चाहिए कि वह अनुभवी शिक्षकों के लिए अलग से प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और उन्नयन कार्यक्रम संचालित करे, ताकि उनकी दक्षता और भी बेहतर हो सके, न कि उन्हें पुनः परीक्षा के दबाव में डाला जाए।

नगर पालिका ने तीसरे दिन भी चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

एसडीएम, एसडीओपी भी रहे मौजूद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुरैना/जौरा। नगर पालिका का अतिक्रमण हटाओ अभियान तीसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान एसडीएम शुभम शर्मा, एसडीओपी नितिन बघेल भी साथ रहे। 10 अप्रैल को नगर पालिका सीएमओ वीरेंद्र रावत, इंजीनियर आकाश त्यागी, सफाई दरोगा महेश त्यागी, नीरज गौड़ की देखरेख एवं एसडीएम तथा एसडीओपी की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाओ अभियान सब्जी मंडी से प्रारंभ किया गया। इस दौरान नाले-नालियों के आगे सड़कों पर आवागमन में बाधित जो भी सामान दुकानदारों द्वारा रखकर अस्थाई अतिक्रमण कर लिया था उसे नगर पालिका के मदाखलत दस्ते द्वारा जप्त कर ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर नगर पालिका भिजवाया गया। तहसील चौराहा, सदर बाजार ,पुराने थाने, पचबीघा, तिकोनिया पार्क, एमएस रोड, रामासरे की माता तक चलाया गया।

इस दौरान एसडीएम, एसडीओपी द्वारा दुकानदारों व्यापारियों को समझाते हुए हिदायत दी गई कि आगे से नाले-नालियों के आगे आपके द्वारा कोई भी सामान रखा गया तो आपके ऊपर दंडात्मक कार्रवाई भी होगी। जो भी सामान आपका है उस सामान को दुकानों के अंदर ही रखें। कई दुकानदारों व्यापारियों द्वारा नाले-नालियों के आगे टीनशेड लगाकर जो अस्थाई कर लिया था उसे हटाने के लिए अधिकारियों से दो से तीन दिन का समय में लिया कि वह खुद ही उसे हटा लेंगे। मौके पर मौजूद सीएमओ वीरेंद्र रावत द्वारा व्यापारियों से कहा कि यदि दो से तीन दिन में सामान नहीं हटाया तो नगर पालिका द्वारा जेसीबी से नाले-नालियों के आगे ऊपर जो भी सामान है उसे हटाने की कार्रवाई की जावेगी। अभियान के दौरान नागरिकों द्वारा एसडीएम एवं एसडीओपी से यह शिकायत की गई थी।

भगवान परशुराम जयंती पर चल समारोह 10 मई को निकलेगा

– चल समारोह में 1100 महिलाएं सिर पर कलश रखकर चलेंगी

ग्वालियर। भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर 10 मई को भव्य चल समारोह निकाला जाएगा। इस बार का समारोह पिछले वर्षों की तुलना में आकर्षण का केन्द्र होगा। इसमें हजारों की संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग शामिल होंगे। चल समारोह में 1100 महिलाएं सिर पर कलश रखकर चलेंगी। यह बात शुक्रवार को चल समारोह के मुख्य संयोजक महेंद्र पटसारिया ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कही।

श्री पटसारिया ने पत्रकारों से बातचीत करते हुये बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम

का चल समारोह 10 मई को बड़े ही धूमधाम के साथ निकाला जाएगा। इस वर्ष का चल समारोह अद्वितीय होगा, जिसमें हजारों की संख्या में ब्राह्मण समाज की उपस्थिति रहेगी। महिला संयोजक सीमा समाधिया ने बताया कि चल समारोह में 1100 महिलाएं सिर पर कलश रखकर चलेंगी एवं लगभग 5000 महिलाएं चल समारोह में भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि चल समारोह में मथुरा, वृंदावन की विशेष झांकियां, भोले, घोड़े, बग्गी, बैंड बाजे और महाकाल के ढोल मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। यह चल समारोह अचलेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर दौलतगंज और पाटनकर बाजार से होते हुए महाराज बाड़ा पहुंचेगा। चल समारोह में श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत और पूजा-अर्चना की जाएगी। यह यात्रा शहरवासियों के लिए एक विशेष अनुभव लेकर आएगी। पत्रकारवार्ता में प्रेम पचौरी, भूपेंद्र शर्मा, धर्मेंद्र भारद्वाज, ममता कटारे, महेश मुदगल, रामबाबू कटारे, किशन मुदगल, सहसंयोजक राजीव थापक, विक्रम शर्मा, श्याम शर्मा, युवा संयोजक मोनू शर्मा, संगम भार्गव, मीडिया प्रभारी डॉक्टर अनिल शर्मा, पंकज सोनकिया, कोषाध्यक्ष राजीव पस्तोर सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित थे।

राघव ऋषि की भागवत कथा आज से, निकलेगी कलश यात्रा

ग्वालियर। अंतर्राष्ट्रीय वक्ता एवं ज्योतिष सम्राट तथा ऋषि सेवा समिति वाराणसी के संस्थापक राघव ऋषि की जयेन्द्रगंज नदीगेट स्थित माधव मंगलम पैलेस में आज 11 अप्रैल से हर रोज दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है। कथा आयोजक ग्वालियर की ऋषि सेवा समिति है। जबकि यजमान की भूमिका में आनंद मोहन श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल और शिवराम श्रीमती चंद्रकांता अग्रवाल रहेंगे। कथा का शुभारंभ 108 कलश यात्रा के साथ होगा, तो वही कथानुसार नित्य झांकी का मंचन किया जायेगा और कथा में भजनों की प्रस्तुति राघव ऋषि के सुपुत्र सौरभ ऋषि द्वारा दी जायेगी। यह जानकारी श्री विद्या सिद्ध एवं ज्योतिष सम्राट राघव ऋषि ने शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये दी।

ज्योतिष सम्राट राघव ऋषि ने पत्रकारों को बताया कि ऋषि सेवा समिति की ग्वालियर इकाई द्वारा 11 से 18 अप्रैल तक माधव मंगलम पैलेस में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

किया जा रहा है। जिसके लिए शनिवार सुबह 9 बजे राममंदिर फालका बाजार से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश गिर्राज मंदिर, हाईकोर्ट होते हुए कथास्थल माधव मंगलम पैलेस पहुंचेगी। कलश यात्रा में 108 महिलाएं एवं पुरुष श्रद्धालु पीले वस्त्रों में उपस्थित होंगे। कथा का अमृत प्रवाह दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक करेंगे। कथा में 12 अप्रैल को ध्रुव चरित्र, कपिलोपाख्यान, 13 अप्रैल को जड़भरत प्रसंग एवं प्रह्लाद चरित्र, 14 अप्रैल को वामन अवतार, श्रीराम चरित्र एवं कृष्ण जन्म का प्रसंग होगा। 15 अप्रैल को नंदोत्सव, माखनचोरी एवं गोवर्धन पूजा, 16 अप्रैल को वेणुगीत, गोपीगीत एवं रुक्मिणी विवाह 17 अप्रैल को सुदामा चरित्र, 18 अप्रैल को उद्धव संवाद सहित विविध प्रसंग होगा जिसके उपरान्त महाप्रसाद भंडारे के साथ कथा का विश्राम होगा। कथा में ऋषि महाराज के सुपुत्र सौरभ ऋषि द्वारा सुमधुर भजनों की नित्य प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही कथानुसार नित्य झांकी का भी मंचन होगा। इस मौके पर समिति के संतोष अग्रवाल, संजय शर्मा, उमेश उप्पल, प्रमोद गर्ग, रामबाबू अग्रवाल, अम्बरीष गुप्ता, रामसिंह तोमर, देवेन्द्र तिवारी, हरिओम मिश्र, उदय प्रकाश चित्तौड़िया, मनीष गोयल, गिरीश शर्मा, अनिल पुनियानी आदि लोग मौजूद रहे।

नि:शुल्क ज्योतिषीय परामर्श 13 से

ज्योतिष सम्राट राघव ऋषि द्वारा 13 अप्रैल से सुबह 7.30 बजे से ज्योतिष सम्बन्धी परामर्श नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। कथा के दौरान वे धराधाम की अधिष्ठात्री देवी राजराजेश्वरी महात्रिपुरसुंदरी महालक्ष्मी की साधना श्रीविद्या पद्धति के विधान पर प्रकाश डालेंगे। इसी आराधना के बल पर मनुष्य लोक एवं परलोक में सुखी हो अपनी तीन पीढ़ियों को महालक्ष्मी की कृपा से जोड़ सकता है। 13 अप्रैल से 5 दिवस पर्यन्त नगर से जुड़े भगवती के साधकों की अग्रिम चरण की आराधना कथा उपरान्त शाम 7 बजे से कर सकेंगे।

भव्य रूप से मनाई जायेगी बाबा साहब की जयंती: विधायक डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सबसे बड़ा योगदान भारतीय संविधान का निर्माण करना है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश के हर नागरिक को समानता, न्याय और स्वतंत्रता का अधिकार दिया। वे स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री बने और उन्होंने सदैव कानून के शासन का समर्थन किया। यह बात शुक्रवार को कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बाबा साहब की जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर हुई कार्यकर्ता बैठक में कही। बैठक में विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा साहब की जयंती धूमधाम के साथ भव्य रूप से मनाई जायेगी। जयंती की पूर्व संध्या 13 अप्रैल को ग्वालियर पूर्व

विधानसभा में 15 स्थानों पर बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित है, वहां पर सम्मान, समता भोज का आयोजन किया जायेगा। 14 अप्रैल को फूलबाग स्थित अम्बेडकर पार्क में 1 लाख लोगों के लिये समता भोज आयोजन किया जा रहा है, जो कि सुबह 9 बजे से शुरू होकर रात्रि तक चलेगा। बैठक से पूर्व सुबह विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कार्यक्रम स्थल अम्बेडकर पार्क फूलबाग में 14 अप्रैल को बाबा साहब की जयंती पर होने वाले कार्यक्रम की तैयारिओं को लेकर स्थल निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग एवं पार्षद केदार बरहादिया, पूर्व पार्षद राम अवतार जाटव, डी.आर. दोहरे, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, श्रीमती रेखा जाटव, संदीप यादव, एम.आई.सी सदस्य एवं पार्षद श्रीमती गायत्री सुधीर मण्डेलिया, बेताल मामा, पार्षद सुरेन्द्र साहू, पार्षद प्रमोद खरे, बृजेन्द्र सिंह तोमर 'कल्लू', रूपेश दुबे, डॉ. दशरथ सिंह, प्रतीक जैन 'लालू', राहुल गुर्जर, जीतू कुशवाह सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष अनूप शिवहरे एवं आभार एम.आई.सी सदस्य एवं पार्षद अवधेश कौरव ने किया।

रिटायर्ड फौजी की संदिग्ध हालत में गोली लगने से मौत

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना क्षेत्र में रिटायर्ड फौजी की संदिग्ध हालत में गोली लगने से मौत हो गई। घटना आदित्यपुरम इलाके में जहां गुरुवार देर रात करीब 11 बजे की है। रिटायर्ड फौजी को लहुलूहान देखकर पड़ोसी उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजन इसे बंदूक साफ करते समय हुआ हादसा बता रहे हैं, जबकि पुलिस शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या मान कर जांच कर रही है।

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के आदित्यपुरम इलाके में रहने वाले रामस्वरूप भदौरिया (58) की संदिग्ध हालत में गोली लगने से मौत हो गई। बताया जाता है कि रामस्वरूप घर में अकेले थे। परिवार गांव गया हुआ था। गुरुवार देर रात करीब 11

बजे गोली की आवाज सुनकर पड़ोसी घर पहुंचे तो वे कमरे में घायल हालत में पड़े मिले। पास में उनकी लाइसेंसी राइफल और शराब का क्वार्टर मिला। यह देख पड़ोसियों ने परिजनों को सूचना दी और उन्हें बिरला अस्पताल फिर जयारोग्य अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। रात करीब 1 बजे मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि गोली उनके सीने में लगी थी।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को घटनास्थल से बंदूक और शराब का क्वार्टर मिला है, लेकिन बंदूक साफकरने से जुड़ा कोई सामान नहीं मिला है, जिससे संदेह बना हुआ है। पुलिस को पूछताछ में परिजन इसे बंदूक साफ करते समय हुआ हादसा बता रहे हैं, जबकि पुलिस शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या मान रही है। टीआई यशवंत गोयल के अनुसार सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

भोला सिकरवार हत्याकांड में शामिल 10 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। भोला सिकरवार हत्याकांड में शामिल 10 हजार रूपये के इनामी आरोपी को हजीरा थाना पुलिस ने बिरलानगर पुल के पास एक गोदाम से गिरफ्तार किया है। अब प्रकरण में एक आरोपी फरार चल रहा है। जबकि शेष सभी आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

सीएसपी महाराजपुरा नागेन्द्र सिंह सिकरवार ने बताया कि लाइन नंबर-2 बिरलानगर हजीरा निवासी भोला उर्फ हेमराज सिकरवार की 02 जून 2025 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस प्रकारण में पुलिस कुछ आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि दो आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। तभी हजीरा थाना पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि प्रकरण में फरार 10 हजार का इनामी आरोपी दिव्यांशु उर्फ दिव्वू भदौरिया चंदनपुरा होते हुए बिरला नगर पुल की तरफ जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम को सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही हेतु भेजा गया तो मुखबिर द्वारा बताये हुलिया का एक व्यक्ति चौहान क्रेन गोदाम के पास दिखा जो पुलिस के वाहन को देखकर भागने लगा जिसे घेरकर पुलिस ने पकड़ा और जब उससे नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम दिव्यांशु उर्फदिव्वू भदौरिया पुत्र सतेन्द्र सिंह भदौरिया उम्र 27 साल निवासी न्यू कालोनी नं.01 शीतला माता मंदिर के पास कांचमील हजीरा बताया। आरोपी ने पुलिस से पूछताछ में अपना जुर्म भी कबूल किया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा 10 हजार का इनाम घोषित था। उक्त प्रकरण में एक आरोपी फरार चल रहा है और शेष सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

मां-बेटी को दबंगों ने पीटा, वीडियो हुआ वायरल

ग्वालियर। बिजौली थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर मां-बेटी के साथ मारपीट का वीडियो सामने आया है। शुक्रवार सामने आए वीडियो में दो लोग महिला और उसकी बेटी को चप्पलों से पीटते दिख रहे हैं। यह वारदात गुरुवार की है, जबकि घटना का वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। वीडियो में दो आरोपी महिला और उसकी बेटी के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। मामला विवाद जमीन पर कब्जे को लेकर हुआ बताया गया है। पुलिस के अनुसार मामला संज्ञान में आया है, लेकिन अब तक थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जायेगी।

राजश्री अपार्टमेंट अग्निकांड में दवा व्यवसायी पर एफआईआर

– अपार्टमेंट में गैर कानूनी रूप से चल रहा था दवा गोदाम

ग्वालियर। खुर्जेवाला मोहल्ला स्थित राजश्री अपार्टमेंट में लगी भीषण आग के मामले में 17 दिन बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दवा कारोबारी मनोज बाठीजा के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह कार्रवाई नगर निगम की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

जांच में सामने आया कि अपार्टमेंट का उपयोग घरेलू उद्देश्यों के लिए होना था, लेकिन यहां गैरकानूनी रूप से दवा का व्यवसाय संचालित किया जा रहा था। इसी दवा गोदाम में लापरवाही के चलते आग लगने की बात सामने आई है। 25 मार्च को सुबह करीब साढ़े 10 बजे लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। मेडिकल और सर्जिकल सामान से भरे गोदाम में लगी आग तेजी से पूरी पांच मंजिला इमारत में फैल गई। देखते ही देखते बिल्डिंग धुएं से भर गई और वहां रहने वाले करीब 80 लोग अंदर फंस गए। नीचे जाने का रास्ता बंद होने से अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए लोगों को छतों से आसपास के मकानों में कूदना पड़ा। इस दौरान बच्चों और बुजुर्गों की जान पर भी बड़ा खतरा बन गया था। बिल्डिंग में लगभग 20 परिवार रहते हैं। इस मामले में कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी वर्मा ने बताया कि राजश्री अपार्टमेंट में लगी आग के मामले में मेडिकल कारोबारी मनोज बाठीजा के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। मामले में कार्रवाई नगर निगम की जांच के बाद की गई है।

स्व. इन्दापुरकर की पुण्यतिथि पर स्मृति सभा आज

ग्वालियर। राजनीतिक क्षेत्र के अजातशत्रु, ऋषि परम्परा के राजनेता, पूर्व विधायक, पूर्व महापौर स्व. माधव शंकर इन्दापुरकर की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्मृति सभा का आयोजन आज 11 अप्रैल को सायंकाल 4 बजे महाराज बाड़े पर स्थित भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन पर किया गया है।

एकदम सहज़ और सरल स्वभाव के धनी स्वर्गीय माधव शंकर इंदापुरकर राजनीति के क्षेत्र मे मधु भैया के नाम से प्रसिद्ध रहे। जनसंघ से भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघनिष्ठ स्वयंसेवक के रूप में उनकी सादगी, सरलता के कारण स्व. मधु भैया समाज के सभी वर्गों मे लोकप्रिय रहे। ऐसे व्यक्तित्व का स्मरण कर उनके कृतित्व का आत्मसात जीवन को को सही दिशा देता है। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया ने सभी कार्यकर्ताओ, प्रबुद्धजनों से आग्रह किया है कि इस आयोजन मे उपस्थित होकर अपने प्रिय नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

गर्भवती माताओं को बताए पौष्टिक आहार के लाभ

ग्वालियर। गर्भवती अवस्था में संतुलित और पोषक आहार का क्या महत्व है, यह जानकारी पोषण पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत वार्ड-10 स्थित कोटेश्वर कॉलोनी व वार्ड-9 स्थित रंगियाना मोहल्ला में आयोजित किए गए विशेष स्वास्थ्य शिविर में माताओं को दी गई। माताओं को बताया गया कि पोषक आहार गर्भवस्था के दौरान बेहद आवश्यक है। इसके साथ ही शिशु को 6 माह तक माता के दूध का सेवन कराया जाना चाहिए, जिससे शिशु का बेहतर विकास हो सके।

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत शुक्रवार को विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें माताओं

एवं बहनों को गर्भवस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि गर्भवस्था के दौरान माताएं भारी वजन नहीं उठाएं। साथ ही नियमित रूप से पौष्टिक आहार लें, जिससे गर्भवस्था के दौरान शिशु स्वस्थ्य रहे। माताओं को गर्भवस्था के दौरान नियमित रूप से आयरन की गोलियों का सेवन करने की सलाह दी गई जिससे माताओं में खून की कमी नहीं हो। कार्यशाला में विविध व्यंजनों से युक्त पोषण प्रदर्शिनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता, परियोजना शहर-1 ग्वालियर, पर्यवेक्षक साधना शर्मा, साविता शिरोमणि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं व जनसमुदाय उपस्थित था।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर का 87वां प्रभु गुणगान उत्सव संपन्न

– ग्रुप के लगभग 50 सदस्यों ने भगवान महावीर स्वामी का किया अभिषेक

ग्वालियर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा लगातार आठवें वर्ष आयोजित प्रभु गुणगान का 87वां उत्सव श्री दिगंबर जैन नागौरियान मंदिर, दाना ओली, ग्वालियर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ।

उत्सव के दौरान ग्रुप के लगभग 50 से 60 सदस्यों ने प्रभु अभिषेक का पुण्य लाभ प्राप्त किया। दाना ओली स्थित यह प्राचीन मंदिर राजस्थानी स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है, जो अत्यंत मनोहारी एवं अतिशय युक्त

प्रतिमाओं से अलंकृत है। यहाँ स्थापित प्राचीन प्रतिमाएं अत्यंत आकर्षक एवं सजीव प्रतीत होती हैं, तथा श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहाँ आने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कार्यक्रम में प्रथम शांतिधारा अनुपम चौधरी जैन द्वारा एवं द्वितीय शांतिधारा राजीव जैन द्वारा संपन्न की गई।

इस अवसर पर अनुपम चौधरी, अंबरीश जैन, रश्मि जैन, आशीष जैन (बैंक अध्यक्ष), अमित भंडारी (सचिव), रुपेश जैन (कोषाध्यक्ष), मनीष जैन, आनंद जैन, सुशील जैन, जितेन्द्र जैन, जयदीप जैन, महिमा चौधरी, अंकिता जैन, प्रियंका जैन, प्रीति जैन, दिनेश जैन, सारिका जैन, अमित रोमी, आशीष (ब्ठप्), धर्मेंद्र जैन, भानु जैन, नीरज, राकेश जैन, विजय जैन, अखिलेश, दीपक, मयंक जैन, अरुण जैन, राहुल, राजकुमार जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस सिर्फ आंदोलन नहीं करती, उदाहरण भी स्थापित करती है: यादव

– कार्यक्रम के बाद फैली गंदगी को कांग्रेसियों ने किया साफ

ग्वालियर। शहर में कांग्रेस के किसी भी संगठन, किसी भी स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के बाद आयोजकों द्वारा सफाई सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस का उद्देश्य जनता की सेवा करना है, उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा देना नहीं। यह बात शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने मैराथन के समापन के बाद कार्यक्रम स्थल पर फैली गंदगी को स्वयं के नेतृत्व में साफकरते हुये कही।

एनएसयूआई के स्थापना दिवस पर आयोजित मैराथन के समापन के बाद कार्यक्रम स्थल पर फैली गंदगी को शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के नेतृत्व में साफकिया गया। मैराथन के पश्चात सड़क पर प्रतिभागियों द्वारा फेंके गए केले के छिलके, पानी के गिलास एवं अन्य कचरे को जिला अध्यक्ष सुरेंद्र यादव एवं प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा ने स्वयं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर साफकिया। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ स्वच्छता और जिम्मेदारी का भाव भी उतना ही आवश्यक है। इस कदम से कांग्रेस संगठन ने यह संदेश दिया है कि वह केवल आंदोलन और कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सकारात्मक उदाहरण स्थापित करने में भी विश्वास रखता है।

दिव्यांग बच्चों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना: राजौरिया

ग्वालियर। कृष्णालय दिव्यांग चाइल्ड केयर स्कूल में दिव्यांग बच्चों के बीच भाजपा जिला अध्यक्ष

जयप्रकाश राजौरिया पहुंचे, जहां पर उन्होंने बच्चों के बीच समय बिताया और संस्था की सचिव नम्रता सक्सैना से दिव्यांग स्कूल के बारे जानकारी ली। संस्था की संस्थापिका एवं सचिव नम्रता सक्सैना ने जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया को स्कूल का भ्रमण करवाया और स्कूल में आने वाले दिव्यांग बच्चों के बारे में भी बताया।

जिला अध्यक्ष राजौरिया ने नम्रता जी के कार्यों की प्रसन्नता करते हुए कहा कि दिव्यांगजन की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है वह दिव्यांग बच्चों के लिए कार्य करती रहे और वह भी दिव्यांगजन की मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

जिला अध्यक्ष राजौरिया ने बच्चों को पानी ठंडा रखने बाली बोतलें दी और खाने की सामग्री भी वितरित की। इस अवसर पर संतोष राजौरिया, मंडल अध्यक्ष आशीष श्रीवास, संस्था के अध्यक्ष श्याम श्रीवास्तव, संस्थापिका नम्रता सक्सैना, संरक्षक तृप्ति भटनागर, श्वेता सक्सैना, जितेंद्र सिंह, राहुल, भरत कुशवाहा सहित अन्य जन मौजूद रहे।

प्रदेश में 38 उपवन क्षेत्रपालों को उच्च पदों पर मिली जिम्मेदारी

– अब कार्यवाहक वन क्षेत्रपाल व प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी कहलायेंगे

ग्वालियर। मध्यप्रदेश शासन वन विभाग के उपवन क्षेत्रपालों की नवीन पदस्थापना कर कार्यवाहक वन क्षेत्रपाल नियुक्त किये है। प्रदेशभर में 38 उपवन क्षेत्रपालों को फायदा हुआ है। शुक्रवार को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन ने यह आदेश जारी कर कार्यवाहक परिक्षेत्र अधिकारी नियुक्त कर उच्च पद पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से उक्त उपवन क्षेत्रपाल प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी व कार्यवाहक वन क्षेत्रपाल कहलायेंगे। ग्वालियर वन वृत्त में पदस्थ कान्हा आदिवासी को कार्यवाहक वन क्षेत्रपाल का प्रमोशन देते हुये ग्वालियर वन मंडल में विशेष कर्तव्य के तहत जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह प्रदेशभर में 38 उपवन क्षेत्रपालों को उच्चता पदों पर जिम्मेदारी मिली है।

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION, GWALIOR

WORKSHOP DEPARTMENT

File No.40/25x4/19/WS/2025-26 Date 10/04/2026

DETAILED NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of Gwalior municipal corporation.

S.no.	Name of work	Probable Amount of contract	Tender ID	Date of release of Tender	Last date for purchase online tender dated
01.	Supply of 01 Nos Dog Catching Vehicle as per attached Specifications and Tender Conditions to workshop Department GMC.	10,69,800/- (with GST)	2026_UAD_483013_2	09-04-2026	24-04-2026

Further details can be seen at http://mptenders.gov.in

R.O. क्र.228 दि. 10/04/26

Nodal Officer Workshop Nagar Nigam Gwalior

संपादकीय

बदलता परिदृश्य

डॉ विजय गर्ग

समय के साथ समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और तकनीक–सभी क्षेत्रों में निरंतर परिवर्तन होता रहता है। यही परिवर्तन एक नए परिदृश्य का निर्माण करता है, जो हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है। आज का बदलता परिदृश्य पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज़, जटिल और बहुआयामी है।

सबसे प्रमुख बदलाव तकनीकी क्षेत्र में देखने को मिलता है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। जहाँ पहले सूचनाएँ प्राप्त करना कठिन था, वहीं आज एक क्लिक पर दुनिया की जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और मनोरंजन–हर क्षेत्र में डिजिटल क्रांति ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। हालांकि, इसके साथ ही डिजिटल असमानता और निजता की चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

सामाजिक परिदृश्य भी तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक मूल्य और आधुनिक सोच के बीच संतुलन बनाने की कोशिश जारी है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों का बढ़ना, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, और युवाओं के बदलते दृष्टिकोण–ये सभी बदलाव समाज की नई तस्वीर पेश करते हैं। साथ ही, सामाजिक मीडिया ने लोगों को जोड़ने के साथ-साथ कई बार उन्हें अलग-थलग भी किया है।

आर्थिक क्षेत्र में भी बदलाव स्पष्ट है। वैश्वीकरण और उदारीकरण ने व्यापार और रोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। स्टार्टअप संस्कृति का उदय, फ्रीलांसिंग और गिग इकॉनमी का बढ़ना, युवाओं के लिए नए रास्ते खोल रहा है। लेकिन इसके साथ ही रोजगार की अस्थिरता और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी परिदृश्य चिंताजनक है। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग हमारी पृथ्वी के भविष्य के लिए खतरा बनता जा रहा है। यह आवश्यक है कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी समान महत्व दिया जाए।

अंततः, बदलता परिदृश्य हमें चुनौतियों के साथ-साथ अवसर भी प्रदान करता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इन परिवर्तनों को कैसे अपनाते हैं। यदि हम सकारात्मक सोच, नवाचार और संतुलन के साथ आगे बढ़ें, तो यह बदलता परिदृश्य एक उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

'हिंदुस्तान स्काउट गाइड' को न मान्यता, न अनुदान फिर भी कैसे चल रही हैं गतिविधियां?

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल/नई दिल्ली। देश और विशेष रूप से मध्य प्रदेश में 'हिंदुस्तान स्काउट गाइड' के नाम पर संचालित हो रही गतिविधियों को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त आधिकारिक जानकारी में यह स्पष्ट हो गया है कि इस संस्था को न तो केंद्र सरकार से वर्तमान में कोई मान्यता प्राप्त है और न ही उसे किसी प्रकार का अनुदान दिया जा रहा है। इसके बावजूद प्रदेश में इसके नाम पर शिविरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रमाण पत्र वितरण की गतिविधियां जारी हैं, जिसने पूरे मामले को गंभीर बना दिया है। यह मामला केवल एक संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर हजारों छात्रों, अभिभावकों और शैक्षणिक संस्थानों के विश्वास से जुड़ा हुआ है। ऐसे में RTI से सामने आए तथ्य न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि प्रशासनिक निगरानी और जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करते हैं।

RTI आवेदन और आधिकारिक जवाब क्या कहता है दस्तावेज़

प्राप्त दस्तावेज़ के अनुसार, 10 मार्च 2026 को एक RTI आवेदन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया था। इस आवेदन में 'हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स एसोसिएशन' की मान्यता, अनुदान और वर्तमान स्थिति को लेकर जानकारी मांगी गई थी। मंत्रालय के स्काउट एंड गाइड (S&G) अनुभाग द्वारा 30 मार्च 2026 को दिए गए जवाब में साफ शब्दों में कहा गया है कि उक्त संस्था को कई वर्षों से किसी भी प्रकार का अनुदान प्रदान नहीं किया जा रहा है। संस्था के भीतर आंतरिक गुटबाजी (internal disputes) की स्थिति बनी हुई है। इस संस्था के संबंध में कोई वैध समिति गठित नहीं की गई है। वर्ष 2024-25 में भी इस संस्था को कोई मान्यता प्राप्त नहीं हुई है। यह चार बिंदु ही पूरे मामले की गंभीरता को उजागर करने के लिए पर्याप्त हैं। आंतरिक गुटबाजी संगठन की कमजोरी का संकेत

मंत्रालय द्वारा दिए गए जवाब में 'आंतरिक गुटबाजी' को अनुदान बंद होने का प्रमुख कारण बताया गया है। यह केवल एक प्रशासनिक टिप्पणी नहीं, बल्कि संगठन की आंतरिक स्थिति पर बड़ा संकेत है।

किसी भी राष्ट्रीय स्तर की संस्था के लिए आंतरिक एकता और पारदर्शिता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी संगठन के भीतर ही विवाद और गुटबाजी हो, तो उसकी विश्वसनीयता स्वतः ही कमजोर हो जाती है। ऐसे में सरकार द्वारा अनुदान रोकना एक स्वाभाविक निर्णय माना जा सकता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब संगठन की आंतरिक स्थिति इतनी अस्थिर है, तो फिर यह संस्था जमीनी स्तर पर गतिविधियां कैसे चला रही है?

मान्यता का अभाव: वैधता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह

RTI जवाब का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि 'हिंदुस्तान स्काउट गाइड' को वर्तमान में कोई आधिकारिक मान्यता प्राप्त नहीं है। वर्ष 2024-25 के लिए भी इसे मान्यता नहीं दी गई है। यह तथ्य बेहद अहम है, क्योंकि किसी भी शैक्षणिक या प्रशिक्षण गतिविधि के लिए सरकारी मान्यता एक आधारभूत आवश्यकता होती है। बिना मान्यता के किसी संस्था द्वारा प्रमाण पत्र जारी करना या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि यह छात्रों के भविष्य के साथ भी जोखिम भरा खेल हो सकता है।

मध्य प्रदेश में जमीनी हकीकत गतिविधियां जारी

सरकारी रिकॉर्ड में स्पष्ट स्थिति होने के बावजूद, मध्य प्रदेश के कई जिलों से यह जानकारी सामने आ रही है कि 'हिंदुस्तान स्काउट गाइड' के नाम पर गतिविधियां लगातार संचालित की जा रही हैं।

सूत्रों के अनुसार निजी स्कूलों में जाकर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। छात्रों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किया जा रहा है।

कार्यक्रमों के अंत में प्रमाण पत्र भी वितरित किए जा रहे हैं इन गतिविधियों में सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई मामलों में न तो जिला शिक्षा अधिकारी से अनुमति ली जाती है और न ही किसी प्रकार की आधिकारिक प्रक्रिया का पालन किया जाता है।

पुराने दस्तावेज़ों के सहारे चल रहा खेल?

जानकारों का कहना है कि कुछ कार्यकर्ता पुराने पत्रों और दस्तावेज़ों का सहारा लेकर स्कूलों और संस्था प्रमुखों को भ्रमित कर रहे हैं। पुराने समय में यदि किसी स्तर पर संस्था को कोई अनुमति या मान्यता मिली भी हो, तो वर्तमान स्थिति में वह स्वतः लागू नहीं होती। कानूनी रूप से किसी भी संस्था की वैधता वर्तमान मान्यता और स्थिति पर निर्भर करती है, न कि पुराने कागजों पर। ऐसे में यदि पुराने दस्तावेज़ों के आधार पर गतिविधियां चलाई जा रही हैं, तो यह एक गंभीर अनियमितता की श्रेणी में आता है।

प्रमाण पत्रों का संकट बच्चों के भविष्य पर खतरा

सबसे बड़ा खतरा उन छात्रों के सामने है जो इन गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। उन्हें जो प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं, उनकी वैधता संदिग्ध है। विशेषज्ञों के अनुसार बिना मान्यता वाली संस्था के प्रमाण पत्र सरकारी या शैक्षणिक स्तर पर मान्य नहीं होते भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं या प्रवेश प्रक्रियाओं में इनका कोई महत्व नहीं होता छात्रों और अभिभावकों को आर्थिक और मानसिक नुकसान उठाना पड़ सकता है इस प्रकार यह मामला केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से भी अत्यंत गंभीर हो जाता है।

अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की भूमिका

इस पूरे घटनाक्रम में अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कई बार जानकारी के अभाव में या जल्दबाजी में स्कूल ऐसे कार्यक्रमों को अनुमति दे देते हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि किसी भी संस्था को स्कूल में गतिविधि आयोजित करने से पहले उसकी मान्यता की जांच की जाए जिला शिक्षा अधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य किया जाए अभिभावक भी अपने बच्चों को किसी कार्यक्रम में भेजने से पहले पूरी जानकारी प्राप्त करें.

सरकारी तंत्र पर उठते सवाल

इस पूरे मामले ने सरकारी निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जब एक संस्था को न तो मान्यता प्राप्त है और न ही अनुदान मिल रहा है, तो फिर उसके नाम पर गतिविधियां कैसे संचालित हो रही हैं?

क्या स्थानीय स्तर पर प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा?

क्या स्कूलों में निरीक्षण की प्रक्रिया कमजोर हो गई है?

क्या संबंधित विभागों के बीच समन्वय की कमी है?

ये सवाल अब चर्चा का विषय बन चुके हैं। जांच और कार्रवाई की जरूरत -RTI से सामने आए तथ्यों के बाद यह आवश्यक हो जाता है कि संबंधित विभाग इस पूरे मामले की गहराई से जांच करें।

संभावित कदम -प्रदेश स्तर पर जांच समिति का गठन

-स्कूलों में चल रही गतिविधियों का निरीक्षण
-अनाधिकृत शिविरों पर तत्काल रोक
-दोषी व्यक्तियों या संस्थाओं पर कार्रवाई
-यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

यह मामला एक चेतावनी भी है कि समाज को केवल नाम या प्रचार के आधार पर किसी संस्था पर विश्वास नहीं करना चाहिए। आज के समय में कई संगठन अपने नाम और पुराने रिकॉर्ड का उपयोग कर लोगों को भ्रमित कर सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि हर स्तर पर जागरूकता बढ़ाई जाए और किसी भी गतिविधि में शामिल होने से पहले उसकी पूरी जांच की जाए।

सच सामने, अब कार्रवाई का इंतजार

RTI के माध्यम से सामने आए तथ्यों ने 'हिंदुस्तान स्काउट गाइड' की वर्तमान स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। यह साफ है कि संस्था को कोई मान्यता प्राप्त नहीं है कोई अनुदान नहीं दिया जा रहा है आंतरिक विवादों के कारण इसकी स्थिति कमजोर है इसके बावजूद यदि इसके नाम पर गतिविधियां चल रही हैं, तो यह एक गंभीर मामला है, जिस पर तुरंत संज्ञान लेने की आवश्यकता है। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और क्या छात्रों तथा अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कार्रवाई की जाती है या नहीं।

कर्पूरी जी क्यों हैं जननायक

भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर प्रतिमा अनावरण समारोह पर विशेष लेख

भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर भारत के सार्वजनिक जीवन के उन नायकों में से थे जिन्होंने सत्ता में रहकर अपनी सादगी से सबको प्रेरित और आश्चर्यचकित तो किया ही , देश के वंचित और भूमिहीन समुदाय का जीवन बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास किए। ऐसा कहा जाता है कि अविभाजित बिहार में ऐसी कोई पगडंडी नहीं थी जिस पर होकर कर्पूरी ठाकुर न गुजरे हों। जनवरी 1924 को बिहार में समस्तीपुर जिले के पितौंझिया में जनमे कर्पूरी ठाकुर दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। साल 1988 में उनके निधन के बाद जब प्रसिद्ध राजनेता हेमवती नंदन बहुगुणा पितौंझिया में उनके घर गए तो यह देखकर हैरान रह गए कि कर्पूरी ठाकुर का घर मिट्टी का बना हुआ था।उसके उपर फूस का छप्पर था।

केन्द्रीय मंत्री रहे यशवंत सिन्हा कभी मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के सचिव हुआ करते थे। उन्होंने अपने संस्मरणों में लिखा है कि एक बार जब वे मुख्यमंत्री के साथ पितौंझिया गये तो कर्पूरी जी के पुश्तैनी घर में उन्हें बिठाने के लिए कोई कुर्सी नहीं थी। लेकिन कर्पूरी जी पत्नी ने बड़ी आत्मीयता से उन्हें चाय बनाकर पिलाई। सागर में जनमे भारत के सोशलिस्ट नायक रघु ठाकुर कर्पूरी जी के घनिष्ठ साथी रहे। जिस दिन कर्पूरी जी का निधन हुआ उसी दिन 17 फरवरी 1988 को रघु ठाकुर द्वारा छत्तीसगढ़ के अकलतरा में आयोजित एक कार्यकर्ता शिविर में कर्पूरी जी को आना था। जब लोग उनके आने का इंतजार कर रहे थे तभी उनके दुनिया से जाने की सूचना मिली।

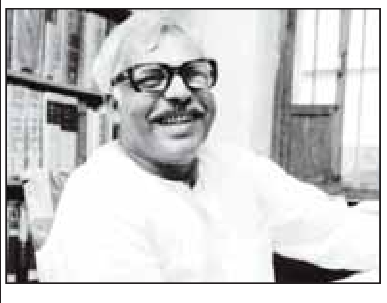

कर्पूरी जी बहुत अच्छी अंगरेजी बोलते थे। लेकिन वे यह भी मानते थे कि अंगरेजी अन्य भाषाओं की तरह केवल एक भाषा है और यह बिलकुल जरूरी नहीं कि अंगरेजी जानने वाला ज्ञानी भी हो। यही कारण था कि बिहार के शिक्षामंत्री रहते हुए कर्पूरी ठाकुर ने अंगरेजी की अनिवार्यता समाप्त कर कमजोर विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में पास होने का मार्ग प्रशस्त किया और उनके आगे बढ़ने का रास्ता साफ किया।

डॉ राममनोहर लोहिया ने बिहार में जो वैचारिक जमीन तैयार की थी उसे कर्पूरी ठाकुर ने आगे बढ़ाने का काम किया। यदि उन्होंने उस जमीन को निरंतर आगे नहीं बढ़ाया होता तो बिहार में पिछड़े और अति पिछड़े कभी न सत्ता में आ पाते न इस वर्ग का कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री बन पाता। कर्पूरी जी बहुत पढ़ाकू थे। हर यात्रा में किताबों का बस्ता उनके साथ रहता ही था। परिवारवाद के वे विरोधी थे। जब उनके बेटे रामनाथ ठाकुर को चुनाव टिकट देने के लिए कहा गया तो कर्पूरी ठाकुर ने यह कहते हुए साफ़ मना कर दिया कि ऐसा करेंगे तो दूसरे दलों के वंशवाद और परिवारवाद की आलोचना कैसे करेंगे।

कर्पूरी जी की सादगी के अनेक किस्से प्रचलित हैं। बताते हैं उनके फटे कुर्ते को देखकर जब नये कुर्ते के लिए चंदा किया गया तो वह पैसा भी कर्पूरी ठाकुर ने पार्टी फंड में जमा करा दिया। वे जरूरत पड़ने पर स्टेशन पर ही अखबार बिछाकर सो लेते थे। मुख्यमंत्री रहने के बाद भी वे साइकिल, रिक्शा की सवारी में देखे जा सकते थे। एक बार जब वे रघु ठाकुर जी से मिलने सागर आये तो वापसी की बस पकड़ने की जल्दी में मोटरसाइकिल पर बैठकर गये। गुटनिरपेक्ष आंदोलन के नेता यूगोस्लाविया के मार्शल टीटो कर्पूरी जी को बहुत मानते थे। समाजवादी युवाओं के एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मार्शल टीटो की कर्पूरी जी से मित्रता हुई थी। एक बार टीटो उनके लिए उपहार स्वरूप एक ओवरकोट भी लाये थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद कर्पूरी ठाकुर ने जब देखा कि मंत्रालय में विशिष्ट लोगों और आम आदमी के लिए अलग-अलग लिफ्ट की व्यवस्था है तो तत्काल उन्होंने इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त करने के निर्देश दिए।

उनसे मिलने आने वालों का तांता लगा ही रहता था। जरूरी सरकारी कामकाज निपटाने के लिए अगर उनकी कहीं एकान्त में बैठने की व्यवस्था की जाती तब भी उनकी सहजता के कारण लोग धीरे-धीरे पता लगाकर वहां भी आ जाते। मुख्यमंत्री आवास से कार्यालय के रास्ते में कोई भी परिचित उन्हें मिलता वे अपनी गाड़ी में बैठने के लिए जरूर कहते चाहे गाड़ी में जगह हो या न हो। उनके समय में मुख्यमंत्री आवास के एक कोने में आटा- दाल और आलू- प्याज रखा ही रहता था जिससे गांव से आने वाले आगंतुकों को भोजन की दिक्कत न हो। कर्पूरी जी के मन में गरीब और पिछड़ों के प्रति गहरी करुणा थी। लेकिन ऊंची जाति के या साधन-संपन्न लोगों के प्रति कोई विद्वेष उनमें बिलकुल नहीं रहा। कर्पूरी जी के मुख्यमंत्री रहते हुए गांव पीतौंझिया में उनके पिता के साथ ऊंची जाति के दबंगों ने दुर्व्यवहार किया था। जब प्रशासन के लोग दबंगों पर कार्रवाई के लिए पहुंचे तो कर्पूरी जी ने कहा था कि केवल मुख्यमंत्री के पिता को ही क्यों राहत मिले, अगर प्रशासन का सहयोग मिलना है तो हर गरीब को मिलना चाहिए। गरीबों पर अत्याचार की एक घटना से द्रवित होकर कर्पूरी ठाकुर ने कमजोर समुदाय के लोगों को बंदूक का लायसेंस देने की भी व्यवस्था की थी। यह किस्सा बहुत प्रचलित है कि एक बार उनकी बिरादरी का नौजवान जब उनसे नौकरी मांगने मुख्यमंत्री निवास पहुंच गया तो कर्पूरी जी ने उसे हजामत बनाने का सामान खरीदने का पैसा दिया और कहा कि रोजगार का जो पुश्तैनी साधन है उसे क्यों छोड़ते हो। ऐसा बताते हैं कि कर्पूरी ठाकुर जब मुख्यमंत्री बन गये तब भी उनके पिता ने पितौंझिया के लोगों के बाल काटने और हजामत बनाने का काम नहीं छोड़ा था। कर्पूरी ठाकुर ने स्वतंत्रता संग्राम में तो भाग लिया ही था देश में जब इमर्जेंसी लगी तब भी वे भूमिगत रहकर सक्रिय थे। वेश बदलकर वे नेपाल से मद्रास तक गये।

समाज के हर कमजोर वर्ग को आरक्षण का जो समावेशी फार्मूला उन्होंने दिया था उसकी सराहना आज भी सब करते हैं।

कर्पूरी ठाकुर के इसी व्यक्तित्व को हमेशा याद रखने के लिए सोशलिस्ट नायक रघु ठाकुर की पहल से सागर में कर्पूरी जी की प्रतिमा लगाई गई है जिसका अनावरण ग्यारह अप्रैल को मध्यप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सहित अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति में होगा। कर्पूरी ठाकुर की स्मृति में मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ में यह पहली प्रतिमा है जिससे आनेवाली पीढ़ियां प्रेरणा लेंगी।

लेखक
जयन्त सिंह तोमर

ऑल इंडिया एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. माइनॉरिटी फेडरेशन ने की बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाने की अपील

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। ऑल इंडिया एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. माइनॉरिटी फेडरेशन की ओर से भारत रत्न डॉ. बाबा साहब आंबेडकर की जयंती को प्रदेशभर में हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाने की अपील की गई है। संगठन ने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया है कि वे बाबा साहब के विचारों को अपनाते हुए समानता, शिक्षा और अधिकारों के लिए जागरूकता फैलाएं।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार रामटेके ने कहा कि 'बाबा साहब का जीवन हमें संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय की राह दिखाता है। जयंती के अवसर पर हमें उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।'

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंटी वैष्णिक ने कहा कि 'बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने देश को संविधान के रूप में एक मजबूत नींव दी है। उनकी जयंती सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करने का अवसर है।'

वहीं संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि 'आज के समय में बाबा साहब के विचार और भी ज्यादा प्रासंगिक हैं। युवाओं को चाहिए कि वे उनके सिद्धांतों को अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं और आपसी भाईचारे को मजबूत करें।'

इस कार्यक्रम को लेकर कई प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अपनी सहमति प्रदान की है, जिनमें मुख्यरूप से बंटी वैष्णिक (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), एस. आर. नागले (प्रदेश महासचिव), कैलाश बाईकर (प्रदेश उपाध्यक्ष), कप्तान अक्षय कुमार (सामाजिक कार्यकर्ता), एड. सुरेशचंद पंडित (सामाजिक कार्यकर्ता), योगेश पाटे (सामाजिक कार्यकर्ता), कृष्णा सुनटे (सामाजिक कार्यकर्ता) सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

संगठन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित करें, गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करें तथा बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं।

सोनागिर कमेटी के प्रतिनिधि मण्डल ने पुलिस महानिदेशक को सौंपा ज्ञापन

चांदी की प्रतिमा एवं अन्य सामग्री बरामद करने की मांग

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सोनागिर। दिगम्बर जैन समाज के उपासना स्थल श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर से चोरी गई प्रतिमा सहित अन्य सामग्री के बरामद न होने से नाराज सोनागिर कमेटी के प्रतिनिधि मण्डल ने भोपाल पहुंचकर मध्य प्रदेश पुलिस के महानिदेशक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिर में 4/5 अप्रैल की दरम्यानी रात को 57 नं.मंन्दिर से चांदी की भगवान चन्द्र प्रभु की मूर्ति, सिंहासन, छत्र सहित दान पेटी की नगदी मिला कर लगभग 25 लाख रुपए की चोरी हो गई थी। स्थानीय पुलिस प्रशासन आज दिनांक तक चोरी का सुराग लगाने ने असफल रहा । आज प्रतिनिध मंडल ने चोरों को शीघ्र पकड़ने, चोरी का माल शीघ्रता शीघ्र बरामद करने एवं सोनागिर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में आज भोपाल पहुंच कर पुलिस महानिदेशक महोदय को ज्ञापन सौंपा एवं शीघ्र कार्यवाही की मांग की। पुलिस महानिदेशक ने आई.जी.ग्वालियर चम्बल संभाग एवं पुलिस अधीक्षक दतिया को तुरन्त समुचित कार्यवाही हेतु आदेशित किया।

प्रतिनिधि मंडल में सोनागिर कमेटी के मंत्री बालचंद जैन, कोषाध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र जैन, उपमंत्री पारस जैन, मूलचंद जैन ठेकेदार, विजय कुमार जैन मामा, एडवोकेट सौरभ जैन, जिनेन्द्र कुमार जैन के साथ भोपाल से पत्रकार रविन्द्र जैन एवं मनोज जैन प्रधान मुख्य रूप से सम्मिलित हुए।

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान हेतु सिविल अस्पताल जौरा में आयोजित की बैठक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पद्मेश उपाध्याय एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम मुरैना जिले के नोडल अधिकारी डॉ. नरेंद्र उपाध्याय के निर्देशन में क्षय इकाई सिविल हॉस्पिटल जोरा द्वारा मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएस सेमिल के मार्गदर्शन में टीवी मुक्त भारत व टीवी उन्मूलन हेतु 100 दिवसीय टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत विभिन्न जन जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जन समुदाय को जागरुक कर टीवी रोगियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। इसी क्रम में सिविल हॉस्पिटल जोरा में स्वास्थ्य कर्मियों एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को 100 दिवसीय टीवी मुक्त भारत अभियान की गाईडलाइन अनुसार कार्य करने एवं जन जागरूकता गतिविधियों को गति प्रदान करने हेतु डॉ. आरएस सेमिल के मार्गदर्शन में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए डॉ. सेमिल ने कहा कि सभी को मिलकर सक्रिय रूप से जन समुदाय को टीवी रोग के लक्षणों को समझाते हुए उनकी स्क्रीनिंग कर अधिक से अधिक क्षय रोगियों को चिन्हित कर उनका उपचार प्रारंभ करना है, एवं शासन की पोषण आहार एवं अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु कार्य करना है। इन सभी गतिविधियों में सामाजिक संस्थाओं एवं जन समुदाय व अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी का भी सहयोग लेकर अधिक से अधिक जन जागरूकता गतिविधियों का आयोजन शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में करें। कार्यक्रम में डॉ. सेमिल सहित बीपीएम महेंद्र पाल सिंह, बीसीएम श्रीमती मधु सेमल, बीईई भूपेंद्र धाकड़ एवं क्षय इकाई के वरिष्ठ पर्यवेक्षक दिनेश पचौरी एवं रणवीर गोयल सहित रघुराज शर्मा, आईसीटीसी काउंसलर संदीप सेंगर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मानपुर पृथ्वी के संचालक अलकेश राठौर एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के काउंसलर पवन कुमार शर्मा सहित विभाग से नीरज गुप्ता, केदारनाथ शाक्य, दीपचंद कुशवाह, गौरव शर्मा,आदि लोग मौजूद थे।

विश्व बैंक-आईएमएफ की चेतावनी: पश्चिम एशिया युद्ध से खाद्य कीमतों और सुरक्षा पर बड़ा खतरा

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध के नतीजे दिखने लगे हैं। ऊर्जा संकट गहराने के साथ पूरी दुनिया अब इसके व्यापक परिणामों से निपटने की तैयारी कर रही है। होर्मुज जलमार्ग से ईंधन आपूर्ति की जो श्रृंखला टूटी है, वह कब नियमित होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता। मगर इससे कई देशों के सामने चौतरफा संकट जरूर पैदा हो गया है। वैश्विक स्तर पर ईंधन और परिवहन की लागत बढ़ने लगी है। मुश्किल भरे इस दौर में विश्व बैंक, मुद्रा कोष और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूएफपी) ने सचेत किया है कि पश्चिम एशिया के वैश्विक ऊर्जा बाजारों में युद्ध ने जो व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक असर पड़ेगा।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के बयान गंभीर

इन तीनों संस्थाओं के इस बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक बोझ दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। हालांकि इन संगठनों का कहना है कि वे संभावित स्थितियों पर निगाह रखेंगे और संकट से प्रभावित लोगों की मदद के लिए उपलब्ध संसाधनों का समन्वय करेंगे। मगर सवाल है कि इस विकट दौर में करोड़ों लोगों तक कैसे और किस हद तक मदद पहुंचेगी?

युद्ध के असर के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने जिस तरह आगाह किया है, इससे समझा जा सकता है कि पूरी दुनिया पर खाद्य संकट मंडरा रहा है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलमार्ग बंद होने से उर्वरकों की आपूर्ति में जो बाधा आई है, इसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा। नतीजा यह होगा कि कम और महंगा यूरिया मिलने से खेती की लागत बढ़ेगी। दूसरी ओर, आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़ेंगे, तो माल की ढुलाई भी महंगी होगी।

उभरते युवा उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ. अनुपम चौकसे

शिक्षा, नवाचार और नेतृत्व की मिसाल

LNCT समूह के सचिव के रूप में डॉ. अनुपम चौकसे की प्रेरक यात्रा, उपलब्धियाँ, नेतृत्व शैली और समाज में प्रभाव

परिचय

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक, डॉ. अनुपम चौकसे का नाम शिक्षा, नवाचार और नेतृत्व के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित पहचान बन चुका है। वे लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी (LNCT) समूह के सचिव और JNCT प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भोपाल के चांसलर हैं। शिक्षा, उद्योग, सामाजिक सेवा और नवाचार के क्षेत्र में उनका योगदान बहुआयामी है। डॉ. चौकसे ने न केवल LNCT समूह को मध्यभारत का अग्रणी शैक्षणिक संस्थान बनाया, बल्कि स्टार्टअप, उद्योग साझेदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में भी नए मानक स्थापित किए हैं। उनकी नेतृत्व शैली, दूरदर्शिता और समाज के प्रति प्रतिबद्धता ने उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व के रूप में स्थापित किया है।

जीवन यात्रा और पारिवारिक पृष्ठभूमि

प्रारंभिक जीवन

डॉ. अनुपम चौकसे का जन्म एक शिक्षाविद् और समाजसेवी परिवार में हुआ। उनके पिता वरिष्ठ समाजसेवी जय नारायण चौकसे -LNCT समूह के संस्थापक और चेयरमैन हैं, जिन्होंने मध्यप्रदेश में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने का सपना देखा था। परिवार में शिक्षा, अनुशासन और सामाजिक सेवा की गहरी परंपरा रही है, जिसने अनुपम चौकसे के व्यक्तित्व और दृष्टिकोण को आकार दिया।

पारिवारिक सहयोग

LNCT समूह की सफलता में चौकसे परिवार की सामूहिक भूमिका उल्लेखनीय है। माताजी - श्रीमती पूनम चौकसे (वाइस चेयरपर्सन), डॉ. श्रीमती श्वेता अनुपम चौकसे (धर्मपत्नी), श्रीमती पूजा चौकसे (बहन), धर्मेंद्र गुप्ता - मामा (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) सहित परिवार के अन्य सदस्य भी समूह के विभिन्न संस्थानों के संचालन और विकास में सक्रिय हैं। परिवार की एकजुटता, साझा दृष्टि और मूल्यों ने LNCT को एक मजबूत और विश्वसनीय ब्रांड के रूप में स्थापित किया है।

शिक्षा और शैक्षणिक योग्यता

डॉ. अनुपम चौकसे ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भोपाल में प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने इंजीनियरिंग और प्रबंधन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त की (पेशेवर प्रोफाइल में Maulana Azad National Institute of Technology, Bhopal का उल्लेख मिलता है)। वे तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ प्रबंधन, नई खोज और उद्यमिता के क्षेत्र में भी गहरी समझ रखते हैं। उनकी शैक्षणिक योग्यता ने उन्हें शिक्षा और उद्योग के बीच सेतु का कार्य करने में सक्षम बनाया है। वे मानते हैं कि 'शिक्षा का वास्तविक अर्थ समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना है' ।

करियर की शुरुआत और प्रारंभिक अनुभव

LNCT समूह में प्रवेश

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, डॉ. अनुपम चौकसे ने स्रष्टञ्ज समूह से अपने करियर की शुरुआत की। प्रारंभ में उन्होंने संस्थान के प्रशासन, शैक्षणिक गुणवत्ता और नवोत्थान के क्षेत्र में योगदान दिया। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और टीम वर्क की भावना ने उन्हें शीघ्र ही समूह के सचिव के पद तक पहुँचा दिया।

व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली

डॉ. चौकसे ने LNCT समूह के विस्तार, पाठ्यक्रम नवोत्थान, उद्योग साझेदारी और सामाजिक पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर, छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान, कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास किया। उनके नेतृत्व में LNCT समूह ने मध्यभारत में शिक्षा, स्वास्थ्य और नवोत्थान के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल कीं।

> दूरदर्शी और विकास-उन्मुख : LNCT को बढ़ाने और विविध पाठ्यक्रम, उद्योग-साझेदारी तथा इन्क्यूबेशन पर ध्यान देने वाले नेता के रूप में देखे जाते हैं।

> छात्र- केंद्रित और नई खोज - प्रेरितः उद्योग तैयार शिक्षा, इन्क्यूबेशन केंद्र (KLIC-LNCT) और व्यावहारिक सीखने पर जोर।

ऊर्जावान संप्रेषक : मीडिया और संस्थागत लेखों में उन्हें आधुनिकरण और आउटरीच के पक्षधर के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

LNCT समूह में भूमिका और जिम्मेदारियाँ

सचिव के रूप में नेतृत्व

डॉ. अनुपम चौकसे LNCT समूह के सचिव के रूप में नीतिगत निर्णय, प्रशासनिक संचालन, शैक्षणिक गुणवत्ता, नई खोज, उद्योग साझेदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व के सभी पहलुओं की निगरानी करते हैं। वे समूह के सभी संस्थानों- इंजीनियरिंग, मेडिकल, फार्मेसी, मैनेजमेंट, आयुर्वेद, डेंटल, लॉ, पैरामेडिकल, नर्सिंग, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर आदि–के विकास और संचालन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

संस्थागत विस्तार

उनके नेतृत्व में LNCT समूह ने भोपाल, इंदौर, जबलपुर, बिलासपुर, रायपुर सहित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों में अपने संस्थानों का विस्तार किया । LNCT विश्वविद्यालय, छ्वहष्टञ्ज प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, LNCT मेडिकल कॉलेज, LNCT स्कूल ऑफ फार्मेसी, LNCT आयुर्वेद कॉलेज, Rishiraj Dental College, JK Hospital, LNCT E&cellence, LNCT Science, LNCT Pharmacy, CEC Bilaspur, LNCT Indore Campus, LNCT Jabalpur समूह के अंतर्गत संचालित होते हैं।

शैक्षणिक गुणवत्ता और इनोवेटिव (New invention)

LNCT

डॉ. चौकसे ने पाठ्यक्रमों को उद्योग-उन्मुख, इनोवेटिव-आधारित और कौशल विकास केंद्रित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने Coursera, NASS-COM, Wipro, Persistent, Cognizant, Infosys, IBM, L&T EduTech जैसी कंपनियों के साथ साझेदारी कर छात्रों को वैश्विक स्तर की ट्रेनिंग, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराए।

LNCT विश्वविद्यालय और संस्थागत विस्तार

LNCT विश्वविद्यालयः उत्कृष्टता का केंद्र

स्रष्टञ्ज विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्यभारत का अग्रणी निजी विश्वविद्यालय है, जिसे UGC, INC, MCI, BCI, ICAR जैसी संस्थाओं से मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल, फार्मेसी, आयुर्वेद, कृषि, पैरामेडिकल, लॉ, साइंस, आर्ट्स आदि क्षेत्रों में 100+ पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। विश्वविद्यालय का 50 एकड़ में फैला परिसर अत्याधुनिक सुविधाओं, अनुभवी फैकल्टी और उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध है।

संस्थागत उपलब्धियाँ

LNCT विश्वविद्यालय को NIRF, India Today, IIRF जैसी प्रतिष्ठित रैंकिंग एजेंसियों द्वारा शीर्ष स्थान प्राप्त हुए हैं। 2025 में विश्वविद्यालय को NIRF Overall Ranking में 151-200, India Today Overall में 77वाँ स्थान, IIRF Physiotherapy में 44वाँ, Nursing में 31वाँ, Pharmacy में 32वाँ और Journalism में 56वाँ स्थान मिला। विश्वविद्यालय के छात्रों को Dell, TCS, Wipro, IBM, Infosys, Microsoft, Amazon, Capgemini, Accenture, ByjuÓs, UpGrad, Maruti Suzuki, A&is Bank जैसी कंपनियों में प्लेसमेंट मिला है।

दीक्षांत समारोह और सामाजिक संदेश

2025 के दीक्षांत समारोह में डॉ. अनुपम चौकसे ने कहा, 'एलएनसीटी ग्रुप का लक्ष्य केवल डिग्रियां बांटना नहीं, बल्कि ऐसे युवा तैयार करना है जो समाज के लिए उपयोगी, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। शिक्षा का वास्तविक अर्थ समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना है '। यह दृष्टिकोण LNCT समूह की शैक्षणिक और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

KLIC Kalchuri LNCT Incubation Center : स्टार्टअप और Innovation का केंद्र

स्थापना और उद्देश्य

KLIC (Kalchuri LNCT Incubation Center) LNCT समूह द्वारा स्थापित एक अत्याधुनिक स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर है, जिसका उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत अभियान को समर्थन देना, मध्यभारत के स्टार्टअप और उद्यमिता इकोसिस्टम को सशक्त बनाना है। KLIC का मुख्य उद्देश्य छात्रों, नवाचारियों और युवा उद्यमियों को विचार से व्यवसाय तक की यात्रा में मार्गदर्शन, संसाधन, फंडिंग, पेंटरशिप, नेटवर्किंग और तकनीकी सहायता प्रदान करना है।

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

MSME IDEA Hackathon 5.0: KLIC ने MSME मंत्रालय के सहयोग से इनोवेशन और स्टार्टअप्स के लिए हैकाथॉन का आयोजन किया, जिसमें विजेताओं को 15 लाख तक की फंडिंग दी गई।

अंतरराष्ट्रीय साझेदारीः KLIC ने Startup Nation Olympiad, Shark Tank India, J-RABI (Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya) जैसी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ साझेदारी की, जिससे छात्रों और स्टार्टअप्स को वैश्विक मंच मिला।

राज्य सरकार का सम्मानः 2026 में KLIC को एमपी स्टार्टअप समिट में प्रथम उपविजेता (1st रनर-अप) पुरस्कार मिला, जो इसके स्व-वित्तपोषित मॉडल और क्षेत्रीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में योगदान को दर्शाता है।

सामाजिक और तकनीकी नवाचारः KLIC ने कृषि, स्वास्थ्य, सॉफ्टवेयर, बायोटेक्नोलॉजी, हॉस्पिटैलिटी, आर्किटेक्चर, रिन्यूएबल एनर्जी, SAAS, इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किया।

डॉ. अनुपम चौकसे की भूमिका

KLIC की सफलता में डॉ. अनुपम चौकसे की दूरदर्शिता, मार्गदर्शन और सतत समर्थन निर्णायक रहा है। वे मानते हैं, 'नई पद्धति और उद्यमिता ही भविष्य की कुंजी है। KLIC के माध्यम से हम छात्रों को रोजगार खोजने वाला नहीं, रोजगार सृजक बनाना चाहते हैं'।

उद्योग साझेदारी और कॉर्पोरेट कनेक्ट

उद्योग अकादमिक सहयोग

LNCT समूह ने उद्योगों के साथ गहरे और बहु आयामी संबंध स्थापित किए हैं। Coursera, Wipro, Persistent, Cognizant, Infosys, IBM, L&T EduTech, NASSCOM, CISCO, AICTE, TCS, Capgemini, Accenture, Amazon, Microsoft, ByjuÓs, UpGrad, Maruti Suzuki, A&is Bank जैसी कंपनियों के साथ साझेदारी कर छात्रों को ट्रेनिंग, इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स और प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं।

प्लेसमेंट में उत्कृष्टता

LNCT समूह को 'एक्सीलेंस इन प्लेसमेंट' अवार्ड, 'बेस्ट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन इन सेंट्रल इंडिया', 'लीडर ऑफ द ईयर ', 'Covid Heroes' जैसे राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। 2024-25 में LNCT Bhopal में 788 छात्रों का प्लेसमेंट हुआ, जिसमें उच्चतम पैकेज 1.12 करोड़ (Amazon EU), औसत पैकेज ?5.5 लाख प्रति वर्ष रहा। इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल, फार्मेसी, लॉ, साइंस आदि सभी क्षेत्रों के छात्रों को देश-विदेश की अग्रणी कंपनियों में नौकरी मिली।

उद्योग निकायों में सहभागिता

डॉ. अनुपम चौकसे CII (Confederation of Indian Industry), FICCI (Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry), ASSOCHAM (Associated Chambers of Commerce and Industry of India), SCOPE, PHD चेंबर ऑफ कॉमर्स, Indian Council of Small Industries जैसी शीर्ष उद्योग संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हैं। वे स्र्स्स्ब्ध (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य करते हैं।

MSME प्रतिनिधित्व और इंडस्ट्री बॉडी सहभागिता

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व

2025 में जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में आयोजित 113वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (International Labour Conference - ILC) में डॉ. अनुपम चौकसे ने भारत सरकार के त्रिपक्षीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर Indian Council of Small Industries का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतिनिधिमंडल में CII, FICCI, ASSOCHAM, SCOPE, PHD चैंबर ऑफ कॉमर्स जैसे शीर्ष उद्योग संगठन भी शामिल थे।

ILO (International Labour Organization) में भूमिका

ILO के Informal Economy Committee में नामित होकर डॉ. अनुपम चौकसे ने विकासशील देशों के असंगठित श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा और कार्य स्थितियों पर भारत की आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा, 'इस वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों है । अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और वैश्विक श्रम मानकों में भारत की भूमिका को मज़बूती से प्रस्तुत करना आज के समय की आवश्यकता है। लघु उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों का सहयोग समावेशी विकास की कुंजी है '।

कोविड-19 प्रतिक्रिया और सामुदायिक पहल

महामारी के दौरान सेवा कार्य

कोविड-19 महामारी के दौरान LNCT समूह और विश्वविद्यालय ने समाज के विभिन्न वर्गों के लिए भोजन, राशन, मास्क, सैनिटाइजर, दवाइयाँ, मेडिकल सहायता, हॉस्पिटल बेड, ऑक्सीजन, प्लाज्मा डोनेशन, टीकाकरण, जागरूकता अभियान आदि के माध्यम से सतत सेवा कार्य किए। डॉ. अनुपम चौकसे को 'Covid Heroes' अवार्ड से सम्मानित किया गया, , जिसे उन्होंने 'कोरोना फ्रंटलाइन वारियर्स' को समर्पित किया। उन्होंने कहा, 'हमें स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए, जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना और हाथों को साफ रखना शामिल है '।

सामुदायिक जागरूकता

LNCT समूह ने लॉकडाउन के दौरान समाज के जरूरतमंद वर्गों को भोजन, आवश्यक सामग्री, मास्क, सैनिटाइजर वितरित किए। सोशल मीडिया, वेबसाइट, व्हाट्सएप के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए गए। समूह के चेयरमैन जय नारायण चौकसे, वाइस चेयरपर्सन श्रीमती पूनम चौकसे, सचिव डॉ. श्री अनुपम चौकसे सहित सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

नेतृत्व शैली और प्रबंधन दर्शन

दूरदर्शिता और इनोवेटिव (Innovative)

डॉ. अनुपम चौकसे की नेतृत्व शैली में दूरदर्शिता, इनोवेटिव (Innovative), टीम वर्क, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत समावेश है। वे मानते हैं कि 'तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के इस दौर में शिक्षकों और छात्रों को निरंतर सीखते रहना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं, बल्कि समाज के लिए जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है '।

टीम वर्क और प्रेरणा

वे अपनी टीम को प्रेरित करने, नई पद्धति के लिए प्रोत्साहित करने और उत्कृष्टता के लिए सजग रहने पर जोर देते हैं। अचीवर्स अवार्ड्स 2026 के अवसर पर उन्होंने कहा, 'संस्था की उपलब्धियों में सभी का योगदान रहता है। जिन्होंने कड़ी मेहनत कर संस्था के लिए अचीव किया है, उन्हें सम्मानित करने से सभी प्रेरित होते हैं और उत्कृष्टता हेतु सजग रहते हैं '।

छात्र- केंद्रित दृष्टिकोण

डॉ. चौकसे छात्रों के सर्वांगीण विकास, कौशल उन्नयन, रोजगार सृजन, उद्यमिता, अनुसंधान, सामाजिक सेवा और नैतिक मूल्यों पर विशेष ध्यान देते हैं। वे मानते हैं कि 'छात्र जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां अपनी योग्यता, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों से पहचान बनाएं '।

सार्वजनिक छवि और मीडिया कवरेज

मीडिया में प्रतिष्ठा

डॉ. अनुपम चौकसे की सार्वजनिक छवि एक दूरदर्शी, नवाचारी, समाजसेवी और प्रेरक नेता की है। वे शिक्षा, स्टार्टअप, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, उद्योग साझेदारी, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के प्रतिनिधित्व, कोविड-19 सेवा, प्लेसमेंट, अनुसंधान, नई पद्धति आदि विषयों पर मीडिया में लगातार चर्चित रहते हैं।

प्रमुख उद्धरण और भाषण

'शिक्षा का वास्तविक अर्थ समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना है। '

'नवोत्थान और उद्यमिता ही भविष्य की कुंजी है। KLIC के माध्यम से हम छात्रों को रोजगार खोजने वाला नहीं, रोजगार सृजक बनाना चाहते हैं।'

'इस वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों है। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और वैश्विक श्रम मानकों में भारत की भूमिका को मज़बूती से प्रस्तुत करना आज के समय की आवश्यकता है' ।

प्रमुख पहलों का प्रभाव और परिणाम

KLIC-LNCT: स्टार्टअप इकोसिस्टम में क्रांति

KLIC ने मध्यभारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त किया है। सैकड़ों स्टार्टअप्स को फंडिंग, मेंटरशिप, नेटवर्किंग, तकनीकी सहायता, वैश्विक मंच, उद्योग कनेक्ट, सरकारी योजनाओं का लाभ, MSME सहयोग, Shark Tank India, Startup Nation Olympiad, J- RABI जैसी पहलों से जोड़ा गया। KLIC को राज्य सरकार, MSME मंत्रालय, MP Startup Center, WWF, WWF India, Savishkar, MSG91 जैसी संस्थाओं से सम्मान और सहयोग मिला।

विश्वविद्यालय विस्तार और शैक्षणिक नवोन्मेष

LNCT विश्वविद्यालय और समूह के अन्य संस्थानों ने शिक्षा, अनुसंधान, नवोन्मेष, उद्योग साझेदारी, प्लेसमेंट, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास, डिजिटल लर्निंग, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, स्टार्टअप सपोर्ट, छात्र-उन्मुख कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय के छात्रों को देश-विदेश की अग्रणी कंपनियों में प्लेसमेंट, स्टार्टअप्स में सफलता, अनुसंधान में पुरस्कार, सामाजिक सेवा में पहचान मिली है।

ऊर्जावान नेतृत्व से अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा का विस्तार एवं कलार समाज के लोगो को संगठित करना

अनूपम चौकसे जी अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के 'राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ' हैं और समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत हैं। वे कलचुरि समाज की एकता, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में महासभा ने परिचय सम्मेलन, निःशुल्क सामूहिक विवाह, स्वास्थ्य शिविर और सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन किया है, जिससे समाज में सहयोग और समरसता की भावना मजबूत हुई है।

श्री चौकसे जी समाज का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रहते हुए युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं। इसके साथ ही, वे समाज की परंपराओं और संस्कृति को जीवित रखने के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। उनकी कार्यशैली में आधुनिक दृष्टिकोण और पारंपरिक मूल्यों का संतुलन देखने को मिलता है। वे समाज के युवाओं को करियर मार्गदर्शन, शिक्षा में प्रगति और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस प्रकार, अनूपम चौकसे जी न केवल कलचुरि समाज की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि शिक्षा और सामाजिक विकास के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का कार्य भी कर रहे हैं।

सार्वजनिक धारणा

मीडिया और शिक्षा जगत में डॉ. अनुपम चौकसे को एक ऐसे युवा नेतृत्वकर्ता के रूप में देखा जाता है जो परंपरा और आधुनिकता का संतुलन बनाए रखते हुए शिक्षा को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहे हैं।

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, सचिव, LNCT समूह, चांसलर, JNCT प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी डॉ. अनुपम चौकसे जी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ

11 अप्रैल 2026 का दिन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और आनंद का अवसर है, क्योंकि इस दिन हम अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, दूरदर्शी शिक्षाविद् एवं बहुआयामी व्यक्तित्व डॉ. अनुपम चौकसे जी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं । महासभा के नेतृत्व में उन्होंने हैहय कलचुरि समाज को एकता, प्रगति और सम्मान की दिशा में अग्रसर किया है। महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को नई ऊर्जा और सशक्त पहचान दी है। उनकी दूरदृष्टि और अथक परिश्रम ने न केवल संगठन को सशक्त बनाया है, बल्कि समाज के युवाओं को शिक्षा और संस्कार के माध्यम से नई ऊँचाइयों तक पहुँचने की प्रेरणा भी दी है। उनके नेतृत्व में महासभा ने सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक गौरव और संगठनात्मक शक्ति को नई पहचान प्रदान की है। वे सदैव समाज के उत्थान और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहे हैं।

डॉ. अनुपम चौकसे जी वर्तमान में सचिव, LNCT समूह; प्रो-चांसलर, LNCT यूनिवर्सिटी; चांसलर, JNCT प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी; तथा प्रबंध निदेशक, KLIC LNCT (इन्क्यूबेशन सेंटर) के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। उनका जीवन समाज सेवा, शिक्षा के उत्थान और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए समर्पित रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान ने असंख्य विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा दी है। उनके नेतृत्व में संस्थानों ने उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया है और समाज में ज्ञान, संस्कार तथा नई खोज का वातावरण निर्मित हुआ है। उनका व्यक्तित्व विनम्रता, करुणा और दृढ़ संकल्प का अद्भुत संगम है।

इस विशेष अवसर पर हम सभी उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सफलता की कामना करते हैं। उनकी प्रेरणा से आने वाली पीढ़ियाँ सदैव मार्गदर्शित होती रहेंगी और हैहय कलचुरि समाज उनके नेतृत्व में निरंतर प्रगति करता रहेगा।

के.के. गोस्वामी अब 'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' शो में पहली बार विलेन के रोल में आएँगे नज़र

मध्य प्रदेश। जो चेहरा हमेशा लोगों को हँसाता रहा है, अब वही छोटे पर्दे पर डर और जादू बिखेरने वाला है। दर्शकों ने के. के. गोस्वामी को हमेशा कॉमेडी रोल्स में पसंद किया है, लेकिन इस बार वे बिल्कुल अलग अंदाज में नज़र आएँगे। सन नियो के शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में वे खंबा नाम के एक बुरे बौने जादूगर का किरदार निभा रहे हैं, जो बदले, बुरी मंशाओं और काले जादू से भरा हुआ है। दर्शकों के लिए उन्हें इस तरह के दमदार विलेन रोल में देखना बिल्कुल नया और रोमांचक होगा।

अपने किरदार के बारे में बताते हुए, के. के. गोस्वामी ने कहा, 'यह किरदार मेरे लिए बिल्कुल अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई। खंबा एक बुरा बौना जादूगर है, जो दूसरी दुनिया से आता है और उसके अंदर बहुत गुस्सा, बदला और महत्वाकांक्षा है। एक कलाकार के रूप में यह रोल मुझे बहुत कुछ करने का मौका देता है, क्योंकि यह किरदार मेरे द्वारा निभाए गए अन्य किरदारों से बहुत अलग है। इसलिए मैं इसे बहुत एंजॉय कर रहा हूँ। बच्चों के साथ काम करना भी मेरे लिए नया और मजेदार अनुभव है। पहले भी मैंने बच्चों के साथ काम किया है, लेकिन अब सब कुछ बहुत तेज हो गया है और सेट पर एनर्जी भी अलग महसूस होती है। '

उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस किरदार को बहुत एंजॉय कर रहा हूँ और इसके लिए बहुत उत्साहित हूँ। मुझे खास तौर पर डायरेक्टर्स के साथ काम करना पसंद है, क्योंकि वे सभी को एक्टिव और एनर्जेटिक रखते हैं। पहले काम धीरे और आराम से होता था, लेकिन अब सब कुछ बहुत तेजी और सहजता से होता है। टीम की एनर्जी देखकर मुझे भी नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है। इस शो ने मुझे यह एहसास दिलाया है कि मैं एक अभिनेता के रूप में और भी बहुत कुछ कर सकता हूँ। '

देखिए 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' शो हर सोमवार से शनिवार, शाम 7:30 बजे, सिर्फ सन नियो पर।

जयप्रकाश गौड़ ने जेएएल संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह के चयन का किया समर्थन

नयी दिल्ली। जेपी समूह के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने दिवालिया घोषित हो चुकी जयप्रकाश एसोसिएट्स लि. (जेएएल) की परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह को सफल बोलीदाता चुनने के ऋणदाताओं के फैसले का शुक्रवार को समर्थन किया। इसके साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि गौतम अदाणी के नेतृत्व वाला अदाणी समूह जेएएल को आगे ले जाएगा।

यह बयान प्रतिद्वंद्वी बोलीदाता वेदांता लि. के अनिल अग्रवाल के उस दावे के कुछ दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि गौड़ चाहते थे कि जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) उनके खनन समूह के 'सुरक्षित हाथों' में रहे।

गौड़ ने कहा, ''मैं ऋणदाताओं की समिति और समाधान पेशेवर द्वारा संचालित निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया की सराहना करता हूं। मैं अदाणी समूह और वेदांता समूह का उनकी भागीदारी के लिए भी आभार व्यक्त करता हूं।''

उन्होंने कहा, ''ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने जयप्रकाश एसोसिएट्स के लिए अदाणी समूह को सफल बोलीदाता चुना है और हम इस फैसले का पूरा सम्मान करते हैं।''

जेएएल की समिति ने दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से इसकी संपत्तियों को हासिल करने के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज लि. की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को पिछले साल नवंबर में मंजूरी दी थी।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ ने जेएएल की परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को पिछले महीने मंजूरी दी थी।

इस फैसले को वेदांता समूह ने चुनौती दी है जिसने 17,926 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। यह मामला राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण में विचाराधीन है।

गौड़ ने विश्वास जताया कि गौतम अदाणी के नेतृत्व में जयप्रकाश एसोसिएट्स की विरासत को आगे बढ़ाया जाएगा।

जेपी समूह के प्रमुख ने कहा, ''जेएएल मेरे लिए सिर्फ एक कंपनी नहीं बल्कि 1979 में शुरू हुई एक लंबी और भावनात्मक यात्रा रही है...। मुझे पूरा विश्वास है कि गौतम अदाणी के नेतृत्व में कंपनी आगे बढ़ेगी और सभी पक्षों की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।'' उन्होंने अदाणी समूह को इस यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए अपनी 'शुभकामनाएं' भी दीं।

जेएएल की ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स जैसी प्रमुख रियल एस्टेट परियोजनाएं हैं। इसके मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में चार सीमेंट संयंत्र हैं और मध्य प्रदेश में कुछ पट्टे पर ली गई चूना पत्थर की खदानें हैं। इसके अलावा, इसने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड, यमुना एक्सप्रेसवे टोलिंग लिमिटेड, जेपी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड और कई अन्य कंपनियों सहित अनुषंगी कंपनियों में भी निवेश किया है।

आज मनेगी होम्योपैथी के जनक डॉ. हेनिमन की जयंती

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर उन्नति हो रही है। चिकित्सा की हर प्रणाली का अपना एक महत्व है। होम्योपैथी का इतिहास 18 वीं शताब्दी से आरंभ हुआ। 1796 में जर्मन फिजिशियन डॉ. सेमुएल हेनीमेन ने सिनमोना की छाल से समरूपता की खोज की। सकारात्मक परिणामों के साथ वैज्ञानिक प्रमाणों में और लोगों में व्यापक स्वीकार्यता होने के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने होम्योपैथी को दुनिया में चिकित्सा की दूसरी प्रणाली घोषित किया। भारत में होम्योपैथी चिकित्सा जान मार्टिन होनिगबर्गर के प्रयासों से 1839 में भारत में शुरूआत हुई। जान मार्टिन बर्गर पंजाब में उस समय राजशाही चिकित्सक थे। उन्होंने उस समय कई चिकित्सकों के द्वारा असाध्य घोषित महाराज रणजीतसिंह की बीमारी का उपचार किया था। डॉ जॉन मार्टिन की लोकप्रियता धीरे धीरे बढ़ती गई और अंतत उन्हें कालेरा डॉक्टर का उपनाम दिया गया क्योंकि उस समय होम्योपैथी के माध्यम से घातक बीमारी (कालेरा महामारी) के कई रोगियों को होम्योपेथिक दवा देकर कालेरा बीमारी से स्वास्थ्य लाभ मिला। होम्योपेथी चिकित्सा द्वारा कई रोगों में चमत्कारिक परिणाम मिले थे। आज होम्योपेथी विश्व के कई बड़े देशों व भारत में बहुत द्रुत गति से विकास कर रही है। भारत में लगभग 2 लाख से अधिक होम्योपेथिक चिकित्सक हैं तथा प्रतिवर्ष 12000 चिकित्सक होम्योपेथी शिक्षा प्राप्त कर चिकित्सा कर रहे है। होम्योपेथी चिकित्सा द्वारा कई बीमारियों के सफल इलाज हो रहे है। डॉ. हेनिमन द्वारा इस चिकित्सा की खोज कर होम्योपेथिक जगत को सौगात दी गई है। 10 अप्रेल का दिन डॉ. हेनिमेन का जन्मदिन 10 अप्रेल को विश्व होम्योपैथी दिवस के रूप में मनाया जाता है, यह दिन होम्योपेथी चिकित्सा के लिए वरदान साबित हुआ है।

डॉ. मुकेश पांचाल वैकल्पिक चिकित्सक संघ देवास जिला अध्यक्ष नियुक्त

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। वैकल्पिक चिकित्सक संघ भोपाल के प्रदेश महामंत्री डॉ. दीपक परसैया, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ भालचंद तिवारी, प्रदेश मंत्री अरविंद पौराणिक की अनुशंसा पर वैकल्पिक चिकित्सक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह द्वारा देवास वैकल्पिक चिकित्सक संघ के जिला अध्यक्ष पद पर डॉ. मुकेश पांचाल को नियुक्त किया गया। रचनात्मक संगठन की नीति नियमों के साथ जिला संगठन की कार्यकारणी गठन एवं संगठन विस्तार को गति देने की आशा के साथ बधाई एवं शुभकामनाएं दी । नव नियुक्त वैकल्पिक चिकित्सक संघ जिला अध्यक्ष डॉ. मुकेश पांचाल ने संगठन को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिले के अंतिम पंक्ति के अंतिम वैकल्पिक चिकित्सक को संगठन की नीति नियम की जानकारी देते हुए संगठन से जोड़ने की बात कही।

डॉ. मुकेश पांचाल के जिला अध्यक्ष बनने पर डॉ. भालचंद तिवारी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं डॉ. अरविंद पौराणिक को प्रदेश मंत्री बनाने पर डॉ.जीपी यादव, डॉ. श्याम चौधरी, डॉ. उदय सिंह यादव, डॉ.हीरालाल जाट, डॉ. कमल यादव, डॉ.परितोष विश्वास, डॉ.मिहिर गोस्वामी, डॉ.प्रेम सागर चौहान, डॉ.विजय बेले डॉ. पवन मंडलोई, डॉ.रोहित मालवीय ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पवित्र नगरी अमरकंटक में गीता परिवार जयपुर द्वारा मृत्युंजय आश्रम में सात दिवसीय गीता रस महोत्सव का भव्य आयोजन

अनूपपुर/अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में 6 अप्रैल 2026 से 12 अप्रैल 2026 तक सप्त दिवसीय गीता रस महोत्सव का भव्य आयोजन गीता परिवार जयपुर द्वारा किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक आयोजन में राजस्थान के जयपुर सहित विभिन्न स्थानों से लगभग 200 से अधिक श्रद्धालु भक्त शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

महोत्सव के दौरान साध्वी विदुषी मां शीला शर्मा द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की भावस्पर्शी कथा का वाचन किया जा रहा है, जिसे सुनकर श्रद्धालु भक्तगण भाव-विभोर हो रहे हैं। कथा के साथ-साथ प्रतिदिन श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ,

भजन-कीर्तन एवं सत्संग का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। इस पावन अवसर पर गीता परिवार जयपुर द्वारा पतित पावनी पुण्य सलिला माँ नर्मदा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा भजन-कीर्तन,बैंड की मधुर धुन एवं जयकारों के साथ मुख्य मार्ग से होते हुए रामघाट तक निकाली गई। रामघाट के उत्तर से दक्षिण तट तक भक्तों द्वारा विधि-विधान के साथ चुनरी अर्पित की गई तथा पूजन-अर्चन और आरती संपन्न हुई। दोपहर लगभग 12 बजे संपन्न इस अनुष्ठान में शामिल श्रद्धालु भक्त भक्ति में लीन होकर नृत्य एवं कीर्तन करते हुए माँ नर्मदा की परिक्रमा करते नजर आए।

पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है, जो अमरकंटक की धार्मिक गरिमा को और अधिक बढ़ा रहा है।

पुलिस बैंड की गूंज से जागरूक हुआ अनूपपुर, भर्ती 2026 के लिए युवाओं को मिला प्रेरणा संदेश

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ सिंह मरकाम के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित पुलिस बैंड प्रस्तुति कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 10 अप्रैल 2026 को सामतपुर तिराहा, अनूपपुर में एक आकर्षक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में 6वीं वाहिनी विसबल जबलपुर के पुलिस बैंड दल द्वारा शानदार बैंड प्रस्तुति दी गई। देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों और आकर्षक प्रदर्शन ने उपस्थित नागरिकों एवं युवाओं का मन मोह लिया। बैंड की

सुरमयी प्रस्तुति ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि पुलिस के प्रति सम्मान और विश्वास को भी मजबूत किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा युवाओं को आगामी पुलिस बैंड भर्ती परीक्षा 2026 के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया, पात्रता एवं अवसरों के बारे में जागरूक करते हुए उन्हें अपने भविष्य को सुरक्षित एवं गौरवपूर्ण बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं को पुलिस सेवा के प्रति आकर्षित करना एवं उनके भीतर देश सेवा की भावना को जागृत करना रहा। कार्यक्रम में प्रभारी रक्षित निरीक्षक सूबेदार अम्बरीष साहू एवं पुलिस लाइन का समस्त बल, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनएसई ने शुरू किया करंसी, कमोडिटी, कैश और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में नैनोसेकंड स्तर पर ऑर्डर एक्नॉलेजमेंट

भोपाल। वॉल्यूम के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव्स एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने 11 अप्रैल, 2026 से करंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स, कैश (कैपिटल मार्केट) और इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपना 'इमीडिएट एक्नॉलेजमेंट' फीचर लागू कर दिया है। इसके जरिए अब ऑर्डर का एक्नॉलेजमेंट नैनोसेकंड में मिल रहा है, जो पहले के लगभग 100 माइक्रोसेकंड के सिस्टम रिस्पॉन्स टाइम से काफी तेज है।

यह उपलब्धि एनएसई के ट्रेडिंग सिस्टम में एक बड़ा और अहम् सुधार दर्शाती है, जो भारत को ग्लोबल एक्सचेंज टेक्नोलॉजी में और मजबूत बनाती है। साथ ही, यह एक्सचेंज की पारदर्शी, तेज और विश्वस्तरीय कैपिटल मार्केट सिस्टम बनाने की प्रतिबद्धता को भी आगे बढ़ाती है।

टेक्नोलॉजी में बड़ा बदलाव

नए और बेहतर प्रोसेस के तहत अब एनएसई के ट्रेडिंग सिस्टम को भेजे गए हर ऑर्डर को नैनोसेकंड में तुरंत एक्नॉलेजमेंट मिल रहा है (1 सेकंड = 106 माइक्रोसेकंड = 10 नैनोसेकंड)। यह ऑर्डर मिलने की रियल-टाइम पुष्टि इसके बाद सामान्य प्रक्रिया के अनुसार कन्फर्मेशन या रिजेक्शन के मैसेज से आगे बढ़ती है, जिससे मार्केट में काम करने वाले लोग अपने ऑर्डर की जानकारी तुरंत ट्रैक कर सकते हैं और पहले से ज्यादा भरोसे व पारदर्शिता के साथ काम कर सकते हैं। फिलहाल दुनिया का कोई भी अन्य एक्सचेंज ऐसा नहीं है, जो नैनोसेकंड में रिस्पॉन्स देने का दावा करता हो।

फेज़ में लागू किया गया विस्तार

नए एन्क्रिप्शन सिस्टम के तहत लागू किए गए 'इमीडिएट एक्नॉलेजमेंट' फीचर को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया:

- करंसी डेरिवेटिव्स (सीडी)- 12 जुलाई, 2025 से लागू (सर्कुलरः NSE/CD/69056)
- कमोडिटी डेरिवेटिव्स (सीओ)- 13 दिसंबर, 2025 से लागू (सर्कुलरः NSE/COM/71599)
- कैपिटल मार्केट / इक्विटीज (सीएम)- 11 अप्रैल, 2026 से लागू (सर्कुलरः NSE/CMTR/72769)
- इक्विटी डेरिवेटिव्स (एफओ)- 11 अप्रैल, 2026 से लागू (सर्कुलरः NSE/FAOP/72763)

कैश और इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में इसके विस्तार के दौरान एक फेज़वाइज को-एक्सिस्टेंस पीरियड भी रखा गया है, ताकि सदस्य मौजूदा एन्क्रिप्शन सिस्टम से नए सिस्टम में आसानी से ट्रांजिशन कर सकें।

यह क्यों जरुरी है

बेहतर पारदर्शिताः रियल-टाइम ऑर्डर एक्नॉलेजमेंट से ऑर्डर मिलने की जानकारी तुरंत मिलती है, जिससे पूरे ऑर्डर प्रोसेस में किसी तरह की अनिश्चितता नहीं रहती।

काम में बढ़ता भरोसाः अब मार्केट से जुड़े लोग हर ऑर्डर को रियल-टाइम में ट्रैक कर सकते हैं, जिससे फैसले तेजी से लिए जा सकते हैं और जोखिम को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता है। ग्लोबल टेक्नोलॉजी में आगेः यह तेज़ी दर्शाती है कि एनएसई ऐसी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है, जो दुनिया के बड़े एक्सचेंजेस के बराबर ही नहीं, उनसे आगे भी है।

सहज अनुभवः फेज़वाइज को-एक्सिस्टेंस मॉडल के चलते ट्रेडिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा और नए सिस्टम में बदलाव भी आसानी से हो जाएगा।

कोतमा में चार मंजिला अग्रवाल लॉज के अचानक ढह जाने से व्यक्तियों की मृत्यु व गम्भीर रूप से घायल होने की घटना के मजिस्ट्रीटियल जांच हेतु लिखित साक्ष्य 17 अप्रैल को किए जा सकते हैं प्रस्तुत

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। शनिवार 04 अप्रैल 2026 को सायं 5.36 बजे नगर कोतमा अर्न्तगत बस स्टैण्ड के समीप चार मंजिला अग्रवाल लॉज के अचानक ढह जाने से उक्त बिल्डिंग में कार्यरत मजदूरों के मलवा में दब जाने के कारण 03 व्यक्तियों की मौत हो गई व 03 व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गये। उक्त संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी कोतमा द्वारा दी गई जानकारी अनुसार अग्रवाल लॉज के बगल का भूस्वामी रामनरेश गर्ग एवं राकेश कुमार द्वारा बिना अनुज्ञा के निर्माण कार्य करने व गहरा गड्ढ़ा की खोदाई कराई गई है। उक्त घटना के कारण व बचाव के संबंध में विस्तृत मजिस्ट्रीटियल जांच हेतु जांच दल का गठन किया गया है। जिसके बिन्दु निर्धारित किए गए हैं कि- कोतमा बस स्टैण्ड के समीप उक्त अग्रवाल लॉज किसके स्वामित्व की है?, उक्त लॉज के मालिक द्वारा लॉज भवन निर्माण की समक्ष अनुज्ञा कब

और किन शर्तों के तहत प्राप्त की गई थी ?, उक्त लॉज के मालिक द्वारा क्या भवन निर्माण की सक्षम अनुज्ञा, अनुमोदित नक्शा और निर्धारित शर्तों के अधीन, निर्माण कार्य कराया गया था या नहीं ?, लॉज के बगल में श्री रामनरेश गर्ग एवं राकेश कुमार द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य की सक्षम अनुज्ञा नगर निकाय से प्राप्त की गई है या नहीं ? बिना सक्षम अनुमति के गड्ढा कराने व निर्माण कार्य में किन नियमों व शर्तों का उल्लंघन किया गया है ?, उपरोक्त अग्रवाल लॉज निर्माण कोतमा एवं रामनरेश गर्ग व राकेश कुमार द्वारा किये गये भवन निर्माण में क्या म. प्र. भूमि विकास नियम 2012 के मानकों का पालन किया गया है। उक्त निर्माण कर्ताओं द्वारा म.प्र. भूमि विकास नियम 2012 के किन मानकों का उल्लंघन किया गया है ?, उपरोक्त बिना सक्षम अनुज्ञा के निर्माण कार्य के फलस्वरूप इमारत ढहने व जन हानि के लिये कौन कौन दोषी है?, नगरपालिका क्षेत्रार्न्तगत भवन अनुज्ञा एवं म0प्र0 भूमि विकास नियम 2012 के शर्तो का पालन कराने व शर्त अनुसार भवन निर्माण के देखरेख का दायित्व नगर निकाय के किस अधिकारी/कर्मचारी का है तथा भवन निर्माण अनुज्ञा के शर्त व मानकों का पालन नहीं कराने के लिये कौन दोषी है ? अतएव उपरोक्त बिन्दुओं के संबंध में जो व्यक्ति लिखित साक्ष्य/दस्तावेजी साक्ष्य एवं कथन देना चाहते हैं तो वे 17 अप्रैल 2026 को प्रातः 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी कोतमा में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।

तीन हाथी करनपठार,एक हाथी खांड़ा के जंगल में रात में किया फसलो का नुकसान वन विभाग पर ग्रामीणों को समय पर सूचित नहीं करने का लगाया आरोप,दो माह बाद भी हाथी के हमले से घायल होकर मृत वृद्ध के परिजनों को नहीं मिली सहायता राशि

अनूपपुर। छत्तीसगढ़ राज्य से दो अलग-अलग समूह में आये चार हाथियों में से तीन हाथियों का समूह शुक्रवार को 103 वें दिन राजेंद्रगाम के करनपठार के जंगल में विश्राम कर रहे हैं वहीं एक अकेला हाथी जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर पोंड़ी एवं खांडा के जंगल में आज चौथे दिन ठहरा हुआ है हाथियों के समूह द्वारा ग्रामीण जनों के फसलों तथा एक घर को खाने की तलाश में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया है बरबसपुर, पोंड़ी, खांड़ा के ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को हाथी के विचरण की सूचना समय पर मुनादी एवं अन्य माध्यम से नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है,दो माह के बाद भी ग्राम बरबसपुर में हाथी के हमले से मृत वृद्ध के परिजनों को वन विभाग द्वारा सहायता राशि नहीं दिए जाने से ग्रामीण परेशान एवं आक्रोश की स्थिति में है।

109 दिन पूर्व तीन हाथियों का समूह छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके की सीमा को पार करते हुए अनूपपुर जिले के जैतहरी,अनूपपुर से बुढार,अहिरगवां एवं डिंडौरी में विचरण अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम के तुलरा वन बीट में सात दिनो तक घूमते तीनों हाथी गुरुवार की रात से करनपठार बीट में प्रवेश कर शुक्रवार के दिन अतरिया,कुर्सेरा एवं बेनीबारी के बीच जंगल में ठहरे हुये है,यह इलाका बेनीबारी,अतरिया एवं कुसेरा गांव की सीमा के मध्य स्थित है तीनों हाथियों द्वारा दिन में जंगल में विश्राम कर देर शाम एवं रात को जंगल से निकल कर आहार की तलाश में ग्रामीण जनो के घरों एवं खेतों में लगी,रखी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं विगत कई दिनों से हाथियों के समूह को ग्रामीणों द्वारा अपने इलाके से बाहर किए जाने हेतु मशाल एवं अन्य माध्यमों से बाहर किए जाने हेतु खदेडे जाने पर हाथियों का समूह आक्रामक होकर ग्रामीण पर हमला करने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं वन विभाग का अमला हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीण जनों को सतर्क एवं सचेत रहने की समझाइए दी है।

एक अकेला हाथी जो 3 अप्रैल की रात एक माह बाद फिर से अपने साथी हाथियों की तलाश में छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पार कर अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाके में 3 दिन विचरण कर विगत 5 दिनों से जिला मुख्यालय अनूपपुर 6 से 9 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भोलगढ एवं पोंडी बीट के जंगल जो ग्राम पंचायत बरबसपुर के बरबसपुर भोलगढ ग्राम पंचायत पोंड़ी के ग्राम पोंड़ी एवं मानपुर एवं ग्राम पंचायत खांड़ा के खांड़ा बाध के समीप स्थित जंगल में दिन के समय अकेले रहकर शाम एवं रात होते ही शहडोल से कोतमा मनेद्रगढ़ की ओर गई राष्ट्रीय राजमार्ग, अनूपपुर खांडा, रामपुर मार्ग को कई स्थानों से रात एवं सुबह पार करते हुए ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर खेतों में लगी फसलों को अपना आहार बना रहा है विगत चार दिनों के मध्य यह हाथी ग्राम पंचायत बरबसपुर निवासी एवं ग्राम पंचायत के सरपंच बिसाहूलाल रौतेल,जमुना,गंगा पांडेय आदि के खेतों में लगे फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ बरबसपुर निवासी गंगाराम पांडेय के खेत में बने मकान की दीवार में तोड़फोड़ कर,खेतों में रखें सिंचाई हेतु पाइपों को तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचा है सुबह होने पर यह फिर से खांड़ा बांध के पास के जंगल में जाकर दिन में ठहर जाता है ग्राम बरबसपुर,पोंड़ी,खांड़ा एवं मानपुर के ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों पर इस आकमक एवं खतरनाक इस हाथी के ग्रामीण अंचलों में आने की सूचना ग्रामीणों को मुनादी एवं अन्य माध्यमों से समय पर नहीं दिए जाने हाथी द्वारा फसल एवं घरों की नुकसान दौरान पटाखा एवं उपकरणों का उपयोग नहीं करने देर से स्थल पर पहुंचकर टॉर्च ले कर खड़े होकर ग्रामीण जनों के हो रहे नुकसान का तमाशा देखते देखते रहने का आरोप लगाया है ग्रामीण जन अपनी फसलों घर ऑन एवं इलाकों से हाथी को दूर किए जाने की कोशिश स्वयं मशाल एवं अन्य माध्यम से किए जाने की बात कही है भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बरबसपुर निवासी ज्ञानेंद्र सिंह परिहार ने वन विभाग के अधिकारियों को देर रात गांव में हाथी के विचरण की सूचना मिलने पर अवगत कराते हुए तत्काल समुचित व्यवस्था किए जाने की बात कहीं उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि 12 फरवरी की रात बरबसपुर के कपिलधारा कॉलोनी के पीछे निवासरत 70 वर्षीय वृद्ध रामविशाल भैना जो अपने कच्चे घर के अंदर जमीन पर सो रहा था तभी एक हाथी द्वारा दीवाल गिराए जाने से दीवाल के मलवा मे दब कर घायल होने पर 16 अप्रैल 16 फरवरी को घर पर ही मृत्यु हो गयी रही के परिजनों को वन विभाग द्वारा शासन के नियमानुसार सहायता राशि तक नहीं दिल पाए उन्होंने जिले के जनप्रतिनिधियों,प्रभारी मंत्री,जिला प्रशासन एवं वनविभाग की जिम्मेदार अधिकारियों को हाथियों के विचरण पर गंभीरता से निगरानी करने हेतु कर्मचारियों को शक्त निर्देश देने तथा स्वयं भी कभी-कभी हाथी विचरण क्षेत्रो मे आकस्मिक निरीक्षण किए जाने की बात कही है।

"जल गंगा संवर्धन अभियान-2026"

कबीर घाट अमरकंटक में हुई साफ-सफाई तथा किरगी में पानी चौपाल का हुआ आयोजन

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कबीर घाट अमरकंटक में श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई का कार्य किया गया। जिसमें जलीय घासों को हटाया गया। साथ ही अभियान के तहत शासकीय उद्यान रोपणी किरगी (राजेन्द्रग्राम) में जल के उचित प्रबंधन हेतु पानी चौपाल/कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कृषकों को पानी का महत्व बताते हुए सूक्ष्म सिंचाई पद्धति जैसे ड्रिप संयंत्र, मिनी स्प्रिंकलर एवं पोर्टेबल स्प्रिंकलर संयंत्र से सिंचाई कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह श्याम सहायक संचालक उद्यान सहित उद्यानिकी विभाग के स्टॉफ उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा द्वारा 12 अप्रैल को ऑनलाइन सदस्यता अभियान का आयोजन, डॉ. अतुल मलिकराम सहित कई दिग्गज होंगे शामिल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। राष्ट्रीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा द्वारा 'समाज हित सर्वोपरि, शिक्षित समाज-विकसित समाज' के मूल मंत्र के साथ आगामी 12 अप्रैल 2026 को सुबह 11 बजे से एक विशेष ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य संगठन के सदस्यता अभियान को गति प्रदान करना और समाज के बौद्धिक व सामाजिक विकास की रूपरेखा तैयार करना है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव अधिवक्ता राघव पटेल, राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम और राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ रामायण पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन डिजिटल माध्यम से देश भर के स्वजातीय बंधुओं को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास है, जिसमें सामाजिक एकजुटता और शिक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

संगठन के राष्ट्रीय महासचिव अधिवक्ता राघव पटेल ने आगामी सत्र के महत्व पर बात करते हुए कहा कि 'हमारा लक्ष्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के हर अंतिम व्यक्ति को

मुख्यधारा से जोड़ना है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सदस्यता अभियान महासभा की एकता का आधार बनेगा, क्योंकि जब तक समाज का हर व्यक्ति जागरूक और शिक्षित नहीं होगा, तब तक सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को साकार नहीं किया जा सकता।

इस सत्र में विशेष रूप से शामिल हो रहे राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम ने सामाजिक सशक्तिकरण पर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा कि 'आज के दौर में सही रणनीति और वैचारिक स्पष्टता उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी समाज के उत्थान के लिए उसकी संगठनात्मक शक्ति और सही दिशा का तालमेल होना बहुत जरूरी है। इस ऑनलाइन सत्र के माध्यम से यह साझा किया जाएगा कि कैसे आधुनिक संसाधनों और सामूहिक प्रयासों का उपयोग कर समाज को सामाजिक व राजनीतिक रूप से और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है।' राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रामायण पटेल ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 'किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित सदस्यों में निहित होती है। 12 अप्रैल का यह सत्र कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा फूँकने का काम करेगा और आधुनिक तकनीक के माध्यम से पूरे देश के समाजजनों को एक मंच पर लाकर 'शिक्षित समाज-विकसित समाज' के सपने को हकीकत में बदलेगा।'

महासभा ने समाज के सभी प्रबुद्ध जनों, युवाओं और मातृशक्ति से इस अभियान का हिस्सा बनने की अपील की है।

कार-ट्रैक्टर की भिड़ंत में टूंडला के जैन परिवार के पांच लोग घायल, एक की मौत

टूंडला से सोनागिर दर्शनों के लिए जा रहा था परिवार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। खुशहाली के माहौल में टूंडला से सोनागिर के लिए निकला जैन परिवार मुरैना के नजदीक हादसे का शिकार हो गया । इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई और पांच लोग घायल हुए, जिसमें से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे 44 पर एक दर्दनाक हादसे में जैन परिवार की एक महिला की दुःखद मृत्यु हो गई। इस दर्दनाक हादसे में बच्चों और महिलाओं सहित पांच लोग घायल है, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। दोनों गंभीर रूप से घायलों को ग्वालियर रैफर किया गया है ।हादसे के शिकार सभी उ.प्र. के टुंडला के पास चारखी गांव के निवासी हैं। यह लोग दतिया के पास स्थित जैन तीर्थ श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिरि दर्शन करने जा रहे थे। तभी सरायछोला थाने के नजदीक श्रद्धालुओं की कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली में भिड़ंत हो गई। सराय छोला थाना पुलिस ने डायल 112 की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। शाम तक टूंडला से परिजनों के आने पर मृत महिला का पोस्टमार्टम पश्चात शव परिजनों को दे दिया गया । दो घायलों को ग्वालियर रैफर किया गया और अन्य घायलों का जिला चिकित्सालय में इलाज जारी है।

बताया जाता है कि उप्र के टुंडला, चारखी गांव के रहने वाला जैन परिवार मारुति कार से सोनागिरि जैन मंदिर दर्शन करने निकला था। चंबल राजघाट पुल निकलने के बाद जैन परिवार गाड़ी में ही खाना खा रहा था। तभी नायक पुरा मोड़, सराय छोला थाना क्षेत्र के पास श्रद्धालुओं से भरी कार और सरसों बेचकर घर लौट रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने डायल 112 की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। घायलों में प्रशांत जैन (30 वर्ष), पुष्पा जैन (60 वर्ष), अजीब जैन (8 वर्ष), संतोष कुमारी (72 वर्ष), प्रकाश जैन (60 वर्ष), दीपा जैन (44 वर्ष) और द्रव जैन (5 वर्ष) शामिल हैं। मुरैना से जैन समाज और जैन मित्र मंडल के सदस्यों ने जिला अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवार को हर संभव मदद प्रदान की । चिकित्सालय पहुंचने वालों में प्राचार्य अनिल जैन, एडवोकेट धर्मेंद्र जैन, निर्मल जैन भंडारी, प्रदीप वरैया, सुनील जैन पुच्ची, अमर जैन, राजेंद्र जैन, मनीष जैन, रोशनलाल जैन, रज्जू जैन, मनेंद्र जैन रानू प्रमुख थे

विशेष जेल लोक अदालतों का आयोजन 26 अप्रैल को

मुरैना। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती संगीता मदान के मार्गदर्शन में 26 अप्रैल 2026 को जिला मुरैना की जिला जेल सहित उपजेल अम्बाह, जौरा एवं सबलगढ़ में विशेष जेल लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। इन विशेष जेल लोक अदालतों के माध्यम से जेल में निरुद्ध विचाराधीन बंदियों के पात्र प्रकरणों—जैसे लघु अपराध, समझौता योग्य मामले, प्ली बार्गेनिंग से संबंधित प्रकरण तथा अन्य उपयुक्त आपराधिक मामलों एवं अपीलों—का आपसी सहमति के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जाएगा। विशेष जेल लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन हेतु लीगल एड डिफेंस काउन्सेल के अधिवक्ताओं के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक रणनीति एवं कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी, चीफ एल.ए.डी.सी.एस. मुरैना तथा संबंधित अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

उर्वरक विक्रेता बिना ई-टोकन के खाद का विक्रय न करें: अपर कलेक्टर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शासन के निर्देशानुसार किसानों को उर्वरक वितरण की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए ई-टोकन प्रणाली लागू की गई है। इस संबंध में अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार, मुरैना में आयोजित बैठक में उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि वे बिना ई-टोकन के किसी भी किसान को खाद का विक्रय न करें।

उन्होंने कहा कि किसान उर्वरक प्राप्त करने के लिए निर्धारित एप के माध्यम से स्लॉट बुक करें और ई-टोकन (पर्ची) प्राप्त करने के पश्चात ही उर्वरक का वितरण सुनिश्चित किया जाए। बिना ई-टोकन के खाद वितरण करना शासन के निर्देशों का उल्लंघन माना जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ द्वारा पूर्व में अपर कलेक्टर एवं उप संचालक कृषि को निर्देश दिए गए थे कि 1 अप्रैल से ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। इसी क्रम में अपर कलेक्टर द्वारा उर्वरक व्यापारियों के साथ यह समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उप संचालक कृषि अनंत सड़ेया, उपायुक्त सहकारिता श्रीमती अनुभा सूद, जिला विपणन अधिकारी (डीएमओ), सहकारी बैंक प्रबंधक तथा सबलगढ़, कैलारस, जौरा, मुरैना, अंबाह एवं पोरसा के निजी उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सभी उर्वरक विक्रेताओं को एलईडी माध्यम से ई-टोकन जनरेट करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन कर विस्तार से जानकारी भी प्रदान की गई, जिससे वे प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें।

पुलिस ने पकड़ा आरोपी ट्रेक्टर का मालिक सोनू चौहान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दिनांक 08.04.2026 को थाना दिमनी क्षेत्रांतर्गत रानपुर तिराहा पर अवैध रेत से भरे ट्रेक्टर-ट्रॉली के चालक द्वारा टेक्टर-ट्रॉली चढ़ाकर वनरक्षक की हत्या कारित करने पर थाना दिमनी में नामजद आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 62 / 2026 गंभीर धाराओं के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

उक्त घटना में प्रयुक्त टैक्टर-ट्रॉली को दिनांक 08.04.2026 को ही जब्त किया जाकर राजसात की कार्यवाही हेतु वन विभाग को सुपुर्द किया गया है।

थाना दिमनी पुलिस द्वारा आरोपी टैक्टर मालिक सोनू चौहान पुत्र मुन्ना सिंह को दिनांक 10.04.2026 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे विस्तृत पूछताछ जारी है।

प्रकरण में फरारशुदा आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु 04 टीमों द्वारा उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। उक्त आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

जल संरक्षण विषय पर कार्यशाला का सफल आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश जिला संघ मुरैना द्वारा जल संरक्षण विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं जागरूकता आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला स्काउट-गाइड एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में CLAP (Community Led Action Programme) के अंतर्गत सम्पन्न हुई। जिला सचिव शेखर सिंह यादव द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा युवाओं एवं स्काउट-गाइड सदस्यों को जल के महत्व एवं संरक्षण के उपायों से अवगत कराना था।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त वीरसिंह यादव का उद्बोधन

वीरसिंह यादव ने अपने उद्बोधन में

कहा कि जल प्रकृति का अनमोल उपहार है, जिसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, जिससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने स्काउट-गाइड सदस्यों से आह्वान किया कि वे समाज में जल संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाएं और स्वयं भी इसके आदर्श उदाहरण बनें।

जिला सचिव शेखर सिंह यादव का उद्बोधन

शेखर सिंह यादव ने अपने संबोधन में कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसके बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। उन्होंने CLAP कार्यक्रम की उपयोगिता बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम समाज में व्यवहारिक परिवर्तन लाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे जल संरक्षण को अपनी दैनिक आदत में शामिल करें तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। तथा जिला सचिव द्वारा सभी स्काउट गाइड के छात्र छात्राओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और अपने जीवन में जल संरक्षण के उपायों को अपनाने के लिए सहर्ष स्वीकृति दी।

कैलारस पुलिस ने दबोचे दो आरोपी, हथियार भी बरामद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक मुरैना समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में आर्म्स एक्ट संबंधी की घटनाओं की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए उक्त अपराधों में संलिप्त आरोपियों की पतारसी एवं गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी कैलारस उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना कैलारस पुलिस द्वारा 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 02 देशी पिस्टल, 315 बोर का 01 अवैध कट्टा मय 01 जिंदा राउण्ड के जब्त किया गया।

दिनांक 09.04.2026 को निरीक्षक सतेन्द्र कुशवाह थाना प्रभारी कैलारस हमराह फोर्स द्वारा मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की कुछ अज्ञात व्यक्ति वारदात करने की नियत से हथियार लेकर घूम रहे हैं । मुखबिर की उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना कैलारस पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन के पास बने अंडर ब्रिज के पास से 02 व्यक्तियों को पकड़कर तलाशी ली गई तो उनके पास से 02 देशी पिस्टल एवं 315 बोर का 01 देशी कट्टा मय 01 जिंदा राउण्ड कुल कीमती करीबन 60,000/- के मिला, जिसके संबंध वैध दस्तावेज चाहे गये जो ना होना बताया गया। तदोपरांत उक्त अवैध हथियारों को जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। बाद थाना वापसी पर आरोपियों के विरूद्ध अप.क्र. 110/26 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल किया गया।

पोरसा में महारुद्राभिषेक, पार्थिव शिवलिंग निर्माण 22 अगस्त से

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। ब्रह्मलीन गृहस्थ संत पं. देवप्रभाकर शास्त्री दद्दाजी के ज्येष्ठ पुत्र गृहस्थ संत डॉ. अनिल प्रभाकर शास्त्री के सान्निध्य में पोरसा में तीन दिवसीय भव्य धार्मिक महाआयोजन 22 अगस्त से 24 अगस्त तक होगा। आयोजन के दौरान असंख्य पार्थिव शिवलिंग का निर्माण श्रद्धालुओं द्वारा किया जाएगा और महारुद्राभिषेक भी होगा।

आयोजन के संदर्भ में पोरसा के गुरु परिवार के प्रतिनिधि मंडल ने घनश्यामधाम पहुंचकर पं. अनिल प्रभाकर शास्त्री से अंबाह पहुंचकर भेंट की। इस मौके पर श्रीफल एवं फल भेंटकर आयोजन के लिए अनुमति एवं आर्शीवाद ग्रहण किया। तय कार्यक्रम के अनुसार 22 अगस्त से 24 अगस्त तक असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं सामूहिक महारुद्राभिषेक सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान एवं भजन-कीर्तन और सत्संग होगा। आशीर्वाद लेने पहुंचे प्रतिनिधि मंडल में कमलेश मिश्रा, गिर्राज शर्मा, देवेंद्र अग्रवाल, अवधेश सिंह तोमर, सान्तेश तोमर, दीपक शर्मा, अनीश श्रीवास, नैतिक अग्रवाल आदि शामिल थे।

तैयारियों में जुटा गुरू परिवार

पोरसा नगर में होने वाले इस आयोजन को भव्य और व्यवस्थित रूप प्रदान करने के लिए तैयारियां शुरू कर दीं गईं है। गुरु परिवार के सदस्यों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया जा रहा है, जिससे व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

आज अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा देगा ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्य प्रदेश के तत्वाधान में मुरैना जिले में आज 11 अप्रैल को 3:00 बजे व्हीआईपी रोड पर परेड मैदान के पास मंदिर परिसर पर एकत्रित होकर टीईटी परीक्षा के विरोध में अपनी मांगों का ज्ञापन मुरैना तहसील में अनुविभागीय अधिकारी को मुख्यमंत्री, राज्यपाल, शिक्षा मंत्री, महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। तहसील/ ब्लॉक के सभी शिक्षक शिक्षकों से अपील से संयुक्त मोर्चा द्वारा की जाती है कि उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में आने का कष्ट करें। उक्त जानकारी मुन्नालाल शर्मा जिला संयोजक संयुक्त मोर्चा मुरैना ने दी।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

कमांक / क्यू0 / खनिज / 2026 / 557 मुरैना,दिनांक– 08 / 04 / 2026

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक GRACE INFRATECH पता–सी0एच0–127 डी0डी0 नगर कुशवाह मार्केट के पास मुरार ,ग्वालियर द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदनपत्र कमांक 39752 दिनांक– 03.04.2026 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक–12/05/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल **http://ekhanij.mp.gov.in** प्रस्तुत किये जावेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी / शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	बामौर	बडवारी	1533 1535	3.600 हे0	शास0 भूमि	गिट्टी बोल्डर उत्खनिपट्टा	

1– उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के रांबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों सें विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदको के आवेदन पत्र प्राप्त होते है। तो प्रथम आवेदन पत्र एवं अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।

3– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है। तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी । विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे । उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4– निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

G11280/26

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

अंबेडकर जयंती के अवसर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना जिले में 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों पर आमसभाओं का आयोजन तथा चल समारोह (जुलूस) निकाले जाएंगे। उक्त कार्यक्रमों के दौरान कानून-व्यवस्था सुचारु बनाए रखने हेतु कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत द्वारा विभिन्न अधिकारियों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं। नगर निगम मुरैना के आयुक्त को निर्देशित किया गया है कि त्योहार के अवसर पर अग्निशमन वाहन (फायर ब्रिगेड) चालक सहित उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय को आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने तथा चिकित्सकों की ड्यूटी निर्धारित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, चिकित्सकों सहित एंबुलेंस, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जिला चिकित्सालय में 24 घंटे आकस्मिक सेवाएं संचालित रखने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। साथ ही, समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) को अपने-अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्र में सतत उपस्थित रहकर अधीनस्थ कार्यपालिक दंडाधिकारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करें।

जिला चिकित्सालय में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय के मार्गदर्शन तथा सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर की उपस्थिति में जिला चिकित्सालय मुरैना में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निहारिका द्वारा उपस्थित गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा संस्थागत प्रसव के महत्व के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में श्रीमती वसंती बाजौरिया एवं श्रीमती शिवकुमारी निम सहित बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर डॉ. पूजा शर्मा द्वारा कुल 39 गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया गया तथा आवश्यक स्वास्थ्य जांचें भी संपन्न कराई गईं। शिविर के दौरान कुल 41 एएनसी (एंटेनटल केयर) पंजीयन किए गए, जिनमें 8 पूर्व पंजीकृत (पुरानी) एएनसी शामिल थीं।

स्वास्थ्य परीक्षण के अंतर्गत 15 गर्भवती महिलाओं की जीडीएम (गेस्टेशनल डायबिटीज) जांच, 12 हीमोग्लोबिन परीक्षण, 5 आयरन सुक्रोज, 1 आरसीएम, 23 एचआईवी तथा 23 व्हीडीआरएल जांचें की गईं। परिवार कल्याण सेवाओं के अंतर्गत 2 अंतरा इंजेक्शन, 10 ओसीपी (ओरल कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स), 12 छाया, 10 पीटीके तथा 2 ईसीपी वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त किशोरी बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत 120 लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर जांच, उचित उपचार एवं पोषण संबंधी जानकारी उपलब्ध कराकर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है।

जिला चिकित्सालय मुरैना द्वारा निरंतर इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन कर आमजन को बेहतर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता में सतत सुधार हो रहा है।

कार्यालय नगरपालिक निगम, मुरैना (म.प्र.)
Office of the Municipal Corporation, Morena (M.P.)
Address - Town Hall Parishar Jiwaji Ganj Morena (M.P.)- 476001
Email :- commmorena@mpurban.gov.in
Phone No. : 07532-226020

क्रमांक/वि.पं./2026/1436 मुरैना, दिनांक - 10/04/2026

इश्तहार सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका (वधु) समीक्षा सिकरवार पुत्री रामेन्द्र सिंह सिकरवार निवासी- लक्ष्मी कॉलोनी मुरैना द्वारा विवाह पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वर अमोल सिंह पुत्र भीकम सिंह तोमर निवासी- हनुमान नगर गोले का मंदिर गिर्द ग्वालियर का विवाह दिनांक- 21.02.2026 स्थान- वासुदेव गार्डन हरीराज टॉकीज के सामने एम.एस. रोड मुरैना पर हिन्दू रीति-रिवाज़ से सम्पन्न विवाह के आधार पर इस निगम में नियमानुसार विवाह का पंजीयन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में अगर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 07 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति निगम कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी, और प्रस्तुत आवेदन के आधार पर विवाह पंजीयन कर दिया जावेगा।

रजिस्ट्रार
विवाह पंजीयन
नगरपालिक निगम, मुरैना

कार्यालय नगरपालिक निगम, मुरैना (म.प्र.)
Office of the Municipal Corporation, Morena (M.P.)
Address - Town Hall Parishar Jiwaji Ganj Morena (M.P.)- 476001
Email :- commmorena@mpurban.gov.in
Phone No. : 07532-226020

क्रमांक/वि.पं./2026/1455 मुरैना, दिनांक - 10/04/2026

इश्तहार सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका (वधु) अंजली सिकरवार पुत्री सन्तू सिकरवार निवासी- सिद्धनगर कॉलोनी मुरैना द्वारा विवाह पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वर सुष्पेन्द्र सिंह परमार पुत्र रघुनाथ प्रसाद निवासी- शिव कॉलोनी पिन्टू पार्क गोले का मंदिर ग्वालियर का विवाह दिनांक- 11.03.2025 स्थान- गोपी गार्डन मैरिज होम गल्ला मण्डी गेट माधौपुरा रोड मुरैना पर हिन्दू रीति-रिवाज़ से सम्पन्न विवाह के आधार पर इस निगम में नियमानुसार विवाह का पंजीयन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में अगर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 07 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति निगम कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी, और प्रस्तुत आवेदन के आधार पर विवाह पंजीयन कर दिया जावेगा।

रजिस्ट्रार
विवाह पंजीयन
नगरपालिक निगम, मुरैना

प्रदेश सरकार सभी को लोगों को साथ लेकर चलने का कार्य कर रही है : तोमर

ऊर्जा मंत्री ने 2 करोड 56 लाख के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

ग्वालियर। प्रदेश सरकार आमजन की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वीकृत विकास कार्यों में सड़कों का निर्माण, नाली एवं सीवर व्यवस्था का सुधार, साथ ही क्षेत्रीय सौंदर्यीकरण जैसे कार्य शामिल हैं, जिनसे नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। यह बात ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को करीब 2 करोड़ 56 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन करते हुये कही।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री तोमर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, पार्षद श्रीमती अंजना हरीबाबू शिवहरे, सोनू त्रिपाटी सहित कमल माखीजानी, योगेन्द्र तोमर, चंदन पटेल, श्रीमती मीना सचान, राजू सेंगर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उच्च न्यायालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज

ग्वालियर। उच्च न्यायालय में 11 अप्रैल को वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम चरण में विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान होंगे। इसके बाद डॉक्टरों द्वारा उच्च न्यायालय में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, अधिवक्ता, सुरक्षाकर्मी आदि को स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सीय परामर्श दिया जाएगा। उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री आनंद पाठक के मार्गदर्शन में मीडिएशन हॉल में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, अधिवक्ता, सुरक्षाकर्मी आदि का परीक्षण शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों के द्वारा किया जाएगा। शिविर में हृदय रोग, अस्थि रोग, चर्म रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग इत्यादि रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद रहेंगे।

एनक्यूएएस में राष्ट्रीय प्रमाण पत्र मिलने पर हुआ सम्मान समारोह

ग्वालियर। जिला चिकित्सालय मुरार में गत माह भारत सरकार के विशेषज्ञों की एनक्यूएएस (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड) टीम का भ्रमण हुआ था। जिसके बाद जिला चिकित्सालय मुरार को एनक्यूएएस, लक्ष्य और मुस्कान सम्मान में भारत सरकार की टीम ने 93.50 प्रतिशत अंक दिये है। इस सफलता के लिए जिला अस्पताल मुरार में सिविल सर्जन कार्यालय एवं अस्पताल प्रशासन ने बेहतर काम करने के लिए चिकित्सकों, अधिकारियों व कर्मचारियों का शुक्रवार को सम्मान समारोह आयोजित कर सम्बंधितों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ राजेश शर्मा, अस्पताल प्रबंधक राजेश बिरथरिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दीपाली माथुर, बीएचओ-3 डॉ. मनोज कौरव, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ विनोद दौनेरिया जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर.के.गप्ता डॉ. प्रशांत नायक, डॉक्टर जेपीएस कुशवाह के अलावा पूर्व सेवानिवृत्त पूर्व आर.एम.ओ. डॉ.आलोक पुरोहित, जिला मीडिया अधिकारी आई.पी. निवारिया, जिला एपीडेमियोलोजिस्ट डॉ.महेंद्र पिपरौलिया के अलावा जिला चिकित्सालय मुरार के चिकित्सक, कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर सचिन ने सभी चिकित्सकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मान प्राप्त करने पर बधाई दी है।

गौरी फिल्म की शूटिंग आदर्श गौशाला में सम्पन्न

ग्वालियर। गौसेवी परिवार निर्माण को समर्पित संस्था श्रीकृष्णायन की प्रेरणा से निर्मित फिल्म ÷गौरी÷ की शूटिंग मुंबई के फिल्म मेकर अनुभव श्रीवास्तव के निर्देशन में आदर्श गौशाला, लालटिपारा, मुरार, ग्वालियर में कई दिनों तक चली और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

यह फिल्म भारतीय संस्कृति में गौमाता और कन्या ÷गौरी÷ के बीच आत्मिक लगाव तथा कसाइयों द्वारा होने वाले बिछड़ाव जैसे संवेदनशील विषय पर आधारित है। फिल्म के माध्यम से समाज में गौसेवा, कन्या संरक्षण और नैतिक जीवनशैली अपनाने का प्रेरणादायी संदेश दिया गया है। फिल्म की कहानी एक गाय पर आधारित है, जिसमें मानवीय संवेदनाओं और गौमाता के प्रति प्रेम को अत्यंत मार्मिक रूप से प्रस्तुत किया गया है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष फरवरी माह में बड़े पर्दे पर प्रदर्शित कामधेनु प्रोडक्शन की फिल्म ÷गौदान÷ में हरिद्वार स्थित श्रीकृष्णायन गौशाला को भी फिल्माया गया था। उसी क्रम में इस बार ग्वालियर स्थित आदर्श गौशाला में इस फिल्म की शूटिंग सम्पन्न हुई है, जो गौसंरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है।

फिल्म में दीपिका चौरसिया, सुमन श्रीवास्तव, रवि चौहान, राज तोमर, अरुण मिश्रा, दीप्ति ठाकुर, किट्टू एवं उमेश तोमर ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई हैं। वहीं, मेकअप आर्टिस्ट के रूप में मान्या वासवानी का विशेष योगदान रहा है। यह फिल्म शीघ्र ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित की जाएगी, जिससे व्यापक स्तर पर समाज तक गौसेवा और भारतीय जीवन मूल्यों का सकारात्मक संदेश जन-जन तक पहुँच सके।

सेवानिवृत्त अधिकारी कृष्णकांत शर्मा ने थामा कांग्रेस का हाथ

ग्वालियर। विद्युत विभाग से सेवानिवृत्त विधि अधिकारी कृष्णकांत शर्मा एड. शुक्रवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है। कांग्रेस भवन, शिंदे की छावनी में आयोजित कार्यक्रम में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने उन्हें कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर विधिवत सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय की सबसे मजबूत आवाज है। कृष्णकांत शर्मा जैसे अनुभवी और सिद्धांतवादी व्यक्तित्व के जुड़ने से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और जनहित के मुद्दों को और प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. केके चौहान एड., घनश्याम राजपूत, श्रीमती संगीता शर्मा, रूपेश शर्मा, राज झा, गोरव राजपूत, धर्मवीर प्रजापति, अंकित वर्मा, लक्ष्मण सिंह पाल, राकेश बाथम, पन्नालाल बाथम, नरेश नामदेव सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

कांग्रेस भवन में हुआ नवनियुक्त जिला अध्यक्षद्वय का अभिनंदन

ग्वालियर। सदभावना एवं कौमी एकता प्रकोष्ठ के नव-नियुक्त जिला अध्यक्ष शुभम सिंह सिकरवार एवं सफाई मजदूर कामगार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रमेश मोरे का भव्य स्वागत कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी में शुक्रवार को किया गया। शहर अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने हार-फूल मालाओं से स्वागत कर मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस संगठन में युवाओं और समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर पार्टी को और मजबूत किया जा रहा है। शुभम सिंह सिकरवार और रमेश मोरे जैसे कर्मठ साथियों के नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा और समाज के हर वर्ग की आवाज बनेगा। इस अवसर पर नव-नियुक्त जिलाध्यक्षद्वय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

अजय मिश्रा के निवास पर पहुंचे भदौरिया व रजनीश गुप्ता

ग्वालियर। वरिष्ठ पत्रकार और मप्र जर्नलिस्ट फोरम के जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा के पिताश्री रामदेव मिश्रा के निधन के बाद शुक्रवार को एमपी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के संरक्षक व वरिष्ठ नेता राजेन्द्र सिंह भदौरिया व एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता उनके चेतकपुरी निवास पर पहुंचे और स्व. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके साथ जर्नलिस्ट फोरम के प्रांताध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार विनय अग्रवाल सहित भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व सांसद व अनेक पत्रकारों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

जल संरक्षण का दिया संदेश देवखो में चला सफाई अभियान

ग्वालियर। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत जन अभियान परिषद ग्वालियर से संबद्ध नवांकुर संस्था ÷सफल युवा मंडल÷ द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शुक्रवार को तिघरा रोड स्थित देवखो में सफाई अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने झरने और उसके आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की तथा जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही आमजन को जागरूक करते हुए बताया गया कि जल स्रोतों को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर सफल युवा मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता ही जल संरक्षण की पहली सीढ़ी है। यदि हम अपने आसपास के जल स्रोतों को साफऔर सुरक्षित रखेंगे, तभी शुद्ध जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत बरबाई एवं अम्लिहेड़ा में चौपाल लगाकर सुनीं जनसमस्याएं

स्कूल एवं आंगनवाड़ी भवनों का निरीक्षण, ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर दिए आवश्यक निर्देश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने पोरसा विकासखंड के ग्राम बरबाई एवं अम्लिहेड़ा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित किया तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर एसडीएम अम्बाह रामनिवास सिंह सिकरवार, तहसीलदार नरेश शर्मा, एईओ पोरसा, सब इंजीनियर, एसडीओ पीएचई, सीडीपीओ पोरसा सहित अन्य मैदानी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री जांगिड़ ने सर्वप्रथम ग्राम बरबाई में पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उन्होंने ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों द्वारा सड़कों की खराब स्थिति, बिजली एवं पेयजल आपूर्ति, भूमि सीमांकन, अतिक्रमण तथा चरनोई भूमि पर अवैध कब्जों से संबंधित समस्याएं रखी गईं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शासकीय प्राथमिक विद्यालय बरबाई पहुंचे, जहां भवन की मरम्मत हेतु स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए। आंगनवाड़ी भवन जर्जर स्थिति में पाया गया, जिस मरम्मत कराने के निर्देश एसडीएम को दिए गए।

कलेक्टर ने ग्राम की निचली बस्तियों का भी भ्रमण कर वहां की समस्याएं सुनीं तथा सीसी रोड निर्माण के लिए स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही तत्काल राहत के रूप में मार्ग को आवागमन योग्य (मोटरेबल) बनाने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ग्राम अम्लिहेड़ा पहुंचे और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया, जहां शिक्षक तो उपस्थित थे, लेकिन विद्यार्थी अनुपस्थित पाए गए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश शिक्षकों को दिए निरंतर पालकों से संवाद बनाए रखने को कहा।

ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि फसल कटाई के कारण विद्यार्थियों की उपस्थिति कम है। कलेक्टर ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। ग्राम अम्लिहेड़ा में आयोजित चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अंबाह से आने वाले नाले के कारण फैली गंदगी की समस्या बताई इस पर कलेक्टर ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को नाले के सुधार हेतु स्टीमेट तैयार करने तथा पंचायत को नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों ने नल-जल योजना के विद्युत आपूर्ति अभाव में बंद होने की समस्या भी बताई। इस पर कलेक्टर ने पीएचई विभाग को आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर योजना को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए।

सी.डी.एस एवं एन.डी.ए की परीक्षा कल

ग्वालियर। कम्बाईन डिफेंस सर्विस परीक्षा (सी.डी.एस.) एवं नेशनल डिफेन्स एकेडमी (एन.डी.ए.) की परीक्षा 12 अप्रैल को 7 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इसमें सी.डी.एस. की परीक्षा तीन सत्रो में जबकि एनडीए की परीक्षा 2 सत्रों में आयोजित होगी। सी.डी.एस. परीक्षा में 2306 अभ्यर्थी तथा एन.डी.ए की परीक्षा में 3724 अभ्यार्थी शामिल होंगे।

सचिव संघ लोक सेवा आयोग नईदिल्ली से प्राप्त निर्देशानुसार ग्वालियर में रविवार को कम्बाईन डिफेंस सर्विस परीक्षा (सी.डी.एस.) एवं नेशनल डिफेन्स एकेडमी (एन.डी.ए.) आयोजित की जाएगी। कम्बाईन डिफेंस सर्विस परीक्षा (सी.डी.एस.) तीन सत्रो में प्रातः 9 बजे से 11 बजे प्रथम सत्र, दोपहर 12.30 बजे से 2.30 बजे तक तृतीय सत्र शाम 4 बजे से शाम 6 तक होगी तथा 11 परीक्षा केन्द्रों पर नेशनल डिफेन्स एकेडमी (एन.डी.ए.) दो सत्रों मे प्रातः 10 बजे से 12.30 तक तथा दोपहर 2 से 4.30 तक आयोजित की जायेगी। कुल परीक्षा केन्द्रों की संख्या 18 है। परीक्षा के लिए जिला कार्यालय ग्वालियर के कक्ष क्रमांक 113 में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

परीक्षार्थियों को केन्द्र पर परीक्षा प्रारम्भ होने के 30 मिनिट पहले पहुँचना होगा। परीक्षा प्रारम्भ होने के 30 मिनिट पहले ही केन्द्र पर प्रवेश बंद कर दिया जायेगा। परीक्षार्थी का मोबाईल, बैग तथा किसी भी तरह की इलेक्ट्रोनिक डिवाईस के साथ प्रवेश वर्जित रहेगा। केन्द्र पर परीक्षार्थी का कोई भी समान नही रखा जायेगा। कक्ष में पानी की पारदर्शी बोतल ले जा सकते है। परीक्षा काल के दौरान परीक्षा कार्य से संबधित शिकायत एवं सुझाव के लिए श्री आर आई. भगत से सम्पर्क कर सकते हैं। संयुक्त कलेक्टर विनोद सिंह को परीक्षा प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि समीर बख्शी सेक्शन ऑफीसर संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

कलेक्टर के निर्देश पर जिले में रेत के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

तीन स्थानों पर 24 लाख रुपये मूल्य की 1200 ट्रॉली रेत का विनिष्टीकरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में गत दिवस आयोजित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, वनमंडलाधिकारी हरीशचंद्र बघेल, जिला खनिज अधिकारी सुखदेव कुमार निर्मल सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व एवं वन) तथा नगर पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में 10 अप्रैल 2026 को जिले के दो अनुभागों में एसडीएम के नेतृत्व में एसएएफ, वन विभाग, पुलिस विभाग, खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा कार्रवाई की गई। अनुभाग सबलगढ़ के अंतर्गत बरोठा (चंबल नदी घाट) पर लगभग 1000 ट्रॉली अवैध रेत का विनिष्टीकरण किया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 20,00,000 रुपये है।

इसी प्रकार अनुभाग अम्बाह के थाना महुआ क्षेत्र अंतर्गत खुर्द घाट एवं करसेड़ी घाट पर कुल 200 ट्रॉली रेत का विनिष्टीकरण किया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 4,00,000 रुपये है। इस प्रकार दोनों अनुभागों में कुल 3 चंबल घाटों पर की गई कार्रवाई में लगभग 1200 ट्रॉली अवैध रेत का विनिष्टीकरण किया गया, जिसका कुल बाजार मूल्य 24,00,000 (चौबीस लाख) रुपये आंका गया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध खनन के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

अंबेडबर जयंती के उपलक्ष्य में 14 अप्रैल तक होंगे विभिन्न आयोजन

ग्वालियर। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल तक जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंच सके इसके लिए कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में चार दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 10 अप्रैल को हॉस्टल, स्कूल, कॉलेज, आंगनबाडी में सफाई अभियान चलाया जावेगा। 11 अप्रेल को जनपद पंचायत डबरा एवं भितरवार व 13 अप्रैल को जनपद पंचायत मुरार एवं घाटीगांव में शिविर आयोजित कर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित कराया जाएगा। साथ ही योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। 12 अप्रैल को समस्त हॉस्टल में साफसफाई व जल संरक्षण की गतिविधियां होंगी । साथ ही आवासीय विद्यालयों में श्रमदान कर वृक्षारोपण, खेलकूद गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 14 अप्रैल को जिला स्तरीय शिविर बाल भवन में आयोजित किया जाएगा। साथ ही जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

लापरवाह क्षेत्राधिकारी क्षेत्र क्रमांक 21 निलंबित

ग्वालियर। कार्यों में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर उपयंत्री क्षेत्राधिकारी क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 21 सौरभ शाक्य को निलंबित किया गया है। निगम आयुक्त संघ प्रिय द्वारा जारी आदेशानुसार सीएम हेल्पलाईन पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को नियत अवधि में लेवल 01 स्तर पर पदस्थ अधिकारी द्वारा शिकायत को अटेंड कर कार्यवाही की जानी होती है परन्तु सौरभ शाक्य उपयंत्री क्षेत्राधिकारी क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 21 द्वारा एक शिकायत को लेवल 01 स्तर अटेंड नहीं किया गया। जिस कारण इनको कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था।

इसके अलावा शाक्य एक भूमि ूजन के समय स्थल पर उपस्थित नहीं रहे एवं भूमिपूजन की सूचना भी इनके द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को नहीं दी गई। जिस कारण सौरभ शाक्य उपयंत्री कार्यरत क्षेत्राधिकारी क्षेत्र क्रमांक 21 को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है एवं निलंबन अवधि में मुख्यालय जनकार्य विभाग रहेगा। सौरभ शाक्य को निलंबित किये जाने के कारण क्षेत्राधिकारी क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 21 का दायित्व बृजेश राजपूत उपयंत्री को अपने वर्तमान कार्य के साथ साथ सौंपा गया है।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्पलेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोन: 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435